mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-98 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा 10 अप्रैल 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी

ऑडियो मैसेज में कहा- जैसे अतीक को मारा, वैसे ही मारना है; 33 बार गालियां दीं

वाराणसी ,एजेंसी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें भेजे गए ऑडियो मैसेज में कहा गया कि जैसे अतीक अहमद को मारा गया था, वैसे ही उन्हें भी मार दिया जाएगा। इन ऑडियो में 33 बार गालियां भी दी गई हैं और कहा गया है कि उनकी यात्रा के दौरान हमला किया जाएगा।

1 अप्रैल को ज्योतिष्पीठ के आधिकारिक नंबर पर पहले एक धमकी भरा मैसेज आया था, जिसे बाद में ब्लॉक कर दिया गया। इसके बाद 6 अप्रैल की रात 9:55 और 9:56 बजे दो वॉइस मैसेज भेजे गए। ज्योतिष्पीठ ने बुधवार को ये दोनों ऑडियो जारी करके मामले की जांच की मांग की है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद 'गोमाता-राष्ट्रमाता' अभियान चला रहे हैं। इसी के तहत 3 मई से उत्तर प्रदेश में उनकी 'गविष्ठी यात्रा' शुरू होने वाली है, जिसमें वे लोगों को गायों की सुरक्षा और उनके लिए आश्रय (गोधाम) बनाने के बारे में जागरूक करेंगे।

'जहरीले सांप' बयान पर नितिन नवीन बोले- ये कांग्रेस की भाषा

खड़गे सिर्फ भाजपा-आरएसएसके खिलाफ बोल रहे, समाज में जहर घोलने की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को मल्लिकार्जुन खड़गे के 'भाजपा-RSS को जहरीला सांप' बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी लोगों को सांप्रदायिक आधार पर भड़काने की कोशिश है और सस्ती मानसिकता दिखाती है।

नवीन ने न्यूज एजेंसी ANI से कहा कि कांग्रेस की यह पुरानी परंपरा रही है कि वह ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करती है, जिनका समाज पर नकारात्मक असर पड़ता है। ऐसे बयानों के बाद जनता BJP को जीत का आशीर्वाद देती है। उन्होंने खड़गे के बयान के पीछे गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराया। कहा- ये गांधी परिवार के शब्द हैं। राहुल और सोनिया रिमोट कंट्रोल से पार्टी चलाते हैं और खड़गे उसी के तहत बोलते हैं। दरअसल 6 अप्रैल को असम में रैली में खड़गे ने कहा था कि अगर आप नमाज पढ़ रहे हैं और जहरीला सांप आ जाए तो नमाज छोड़कर उसे मारना है, यह कुरान में कहा गया है। यह आरएसएस और बीजेपी जहरीले सांप हैं, इनको नहीं मारेंगे तो आप बचेंगे नहीं।

सबरीमाला केस में सुनवाई

सरकार बोली:कई मंदिरों में प्रसाद में शराब दी जाती है:कोर्ट यह नहीं कह सकता वहां शराब मत दो

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान भारत के मंदिरों में रीति-रिवाजों का जिक्र किया। एएसजी नटराज ने कहा, दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रसाद के रूप में मदिरा दी जाती है। कल को आप इस पर यह आपत्ति नहीं उठा सकते कि मदिरा न दी जाए। एक उदाहरण देता हूं, कई मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, और अगर कोई व्यक्ति अपनी पसंद या अंतरात्मा की आवाज पर कहता है कि वह मांसाहारी भोजन करना चाहता है, तो वह किसी खास संप्रदाय के पास जाकर यह नहीं कह सकता कि मेरा यह अधिकार है और मुझे यही परोसा जाना चाहिए। उसे उन श्रद्धालुओं के अधिकारों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की बुधवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई कर रही है। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन: धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में हैं। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4:1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संविधान बेंच 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे।

जस्टिस बागची बोले- नास्तिक भी कभी-कभी नियमों का पालन करता है: इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि वहां जाने वाला अपनी अंतरात्मा की स्वतंत्रता का त्याग कर देता है। यानी वह उस धार्मिक व्यवस्था को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है। बल्कि उसे केवल उस व्यवस्था के नियमों का पालन करना पड़ता है।क्योंकि यदि हम इसके विपरीत यह मान लें कि कोई नास्तिक व्यक्ति धार्मिक मामलों से जुड़ ही नहीं सकता, तो हम उस नास्तिक व्यक्ति से उसकी अंतरात्मा की उस मूल स्वतंत्रता को ही छीन लेंगे, जिसके तहत उसे किसी भी बात को मानने या न मानने का अधिकार मिला है।इसे हम विरोधाभास के नजरिए से देखें, तो किसी भी प्रस्ताव या विचार का खंडन करने के लिए, व्यक्ति को पहले उस प्रस्ताव का अनुभव करना आवश्यक होता है; इसलिए एक नास्तिक व्यक्ति स्वयं को उस धार्मिक व्यवस्था के अधीन तो कर सकता है, लेकिन उसका, उस धर्म को स्वीकार करना जरूरी है।

ईरान बोला- अमेरिका ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ीं:अब बातचीत बेकार

● **ट्रम्प बोले- समझौते तक ईरान के आसपास आर्मी तैनात रहेगी**

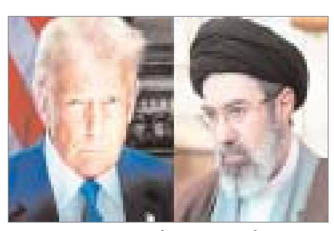

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर की तीन अहम शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने 10-पॉइंट प्रस्ताव की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है।ईरान ने साफ कहा है कि जिस आधार पर बातचीत होनी थी, वही पहले ही टूट चुका है। ऐसे में अब बातचीत या सीजफायर तर्कसंगत नहीं रह गया है।वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ हुआ समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना ईरान के आसपास तैनात रहेगी।ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर चेतावनी दी कि अगर समझौते का पालन नहीं हुआ, तो फिर से गोलीबारी शुरू होगी, जो पहले से ज्यादा बड़ी, ताकतवर और विनाशकारी होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि इसकी संभावना बेहद कम है, लेकिन अमेरिका पूरी तरह तैयार है।

लेबनान में इजराइली हमलों से एक दिन में 254 मौतें: इजराइली सेना ने बुधवार को लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है।

मोदी बोले- बंगाल में गुंडागर्दी का हिसाब लेंगे:

कहा: कांग्रेस-लेफ्ट एक थाली के चट्टे बट्टे; टीएमसी ने निर्ममता की हदें पार कीं

कोलकाता,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में जनसभा की। उन्होंने कहा कि आपने TMC पर विश्वास किया था, लेकिन TMC ने बंगाल में निर्ममता की सारी हदें पार कर दीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर देश 100 रुपए कमाता है, तो बंगाल का योगदान सिर्फ 5 से साढ़े 6 रुपए रह गया है। बंगाल के आम आदमी की आमदनी लगातार कम हो रही है, जबकि TMC के नेता और मंत्रियों के बंगले बड़े होते जा रहे हैं। 4 मई के बाद हर गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा। बंगाल में अब TMC का भय नहीं, भाजपा का भरोसा चलेगा। इससे पहले गुरुवार को ही मोदी ने पश्चिम बंगाल के हल्दिया में जनसभा की। उन्होंने कहा- टीएमसी ने बंगाल के युवाओं को डबल धोखा दिया है। यहां प्राइवेट सेक्टर का नामोनिशान मिटा दिया है। टीएमसी के भ्रष्टाचारियों ने युवाओं के परिवारों के सपनों को कुचल दिया है। लेफ्ट और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि- बीते कुछ दशकों में बंगाल ने हर पार्टी पर भरोसा करके देखा है। पहले कांग्रेस फिर लेफ्ट और फिर कांग्रेस। लेकिन ये सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। इन लोगों नो सिर्फ बंगाल को धोखा दिया, उनके सपनों को मिट्टी में मिला दिया और उनके सपनों को कुचल दिया।इधर, आरजी कर अस्पताल केस की पीड़ित की मां रत्ना देबनाथ ने कहा है कि जब तक उनकी बेटी को पूरा न्याय नहीं मिल जाता, वे अपने बालों में कंघी नहीं करेंगी। रत्ना भाजपा के टिकट पर पानीहाटी सीट से चुनाव लड़ रही हैं।

बीरभूम में 11 में से 10 विधायक ज्जस्ष्ट के: बीरभूम बंगाल में ज्जस्ष्ट का मजबूत गढ़ माना जाता है। 2021 में जिले की 11 में से 10 सीटों पर ज्जस्ष्ट जीती थी। यहां ध्रुवीकरण भी एक बड़ा मुद्दा है। बीरभूम में 63% हिंदू और 37% मुस्लिम आबादी है।ब्क्ष्क्क्ने पिछले कुछ सालों में यहां अपना जनाधार बढ़ाया है और अवैध बालू खनन, भ्रष्टाचार और हिंसा जैसे मुद्दों को लेकर को घेर रही है।

सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड,फंसे 135 टूरिस्ट को सेना ने बचाया

राजस्थान में अप्रैल में सर्दी, उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फ गिरी,देश के 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून , एजेंसी। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं और उन्हें जल्द से जल्द बचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। सेना ने कुल 135 फंसे पर्यटकों को बचाया है। उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है। राजस्थान में 20 दिनों से बदले मौसम के कारण तापमान 7 डिग्री तक कम हुआ है। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।बिहार में काल बैसाखी सिस्टम एक्टिव हो गया है। काल बैसाखी अचानक आने वाला तेज आंधी-तूफान होता है। यह अप्रैल-मई (वैशाख) में आता है। इसके एक्टिव होने पर 50-100 किमी. की रफ्तार से हवाएं चलती हैं, बारिश और ओले गिरते हैं। यह जल्दी खत्म हो जाता है। असम और मेघालय में मौसम सबसे ज्यादा खराब रहेगा। यहां आंधी-बारिश और ओले गिरने का ऑरेंज अलर्ट है। दक्षिण के राज्यों तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और और कोस्टल कर्नाटक में उमस भरा मौसम रहेगा।

पुडुचेरी में कांग्रेस-भाजपा समर्थक भिड़े

एंटनी बोले- केरल में बीजेपी को कोई पसंद नहीं करता; हिमंता ने कामाख्या मंदिर में पूजा के बाद वोट डाला

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी,एजेंसी। देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग चल रही है। कुल 296 सीटों पर मतदान हो रहा है। दोपहर 3 बजे तक असम में 75.91%, केरलम में 62.71% और पुडुचेरी में 72.40% वोटिंग हुई है।

पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम एन. रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक मोटरसाइकिल से पहुंचे।

भारत से पहली क्रॉस-बॉर्डर रोबोटिक सर्जरी

पश्चिम एशिया में जंग के बीच कोकिलाबेन अस्पताल ने मुंबई से मस्कट में महिला की किडनी का ऑपरेशन

मुंबई ,एजेंसी। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ने वर्ल्ड हेल्थ डे 2026 पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के डॉक्टर टी. बी. युवराजा ने मुंबई में बैठकर ओमान के मस्कट के मेडिकल सिटी अस्पताल में 55 साल की महिला का रोबोटिक किडनी ऑपरेशन किया। यह क्रॉस-बॉर्डर रिमोट रोबोटिक सर्जरी भारत से पहली बार मानी जा रही है। यह सर्जरी एडवांस्ड 'मेडबॉट ट्युमाई' रोबोटिक सिस्टम और रियल-टाइम कनेक्टिविटी के जरिए की गई। डॉक्टर ने दूर बैठकर पूरे ऑपरेशन को कंट्रोल किया और सफलतापूर्वक सर्जरी पूरी की। कोकिलाबेन अस्पताल में यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. टी. बी. युवराजा ने कहा कि यह हेल्थकेयर में बड़ा बदलाव है। उनके मुताबिक अब मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे देश जाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि डॉक्टर ही तकनीक के जरिए मरीज तक पहुंच सकेंगे। उन्होंने बताया कि उनके पास 4200 से ज्यादा रोबोटिक सर्जरी का अनुभव है और यह उपलब्धि सिर्फ एक सफल ऑपरेशन नहीं, बल्कि भविष्य की हेल्थकेयर व्यवस्था का संकेत है। इससे दुनिया भर में इलाज की पहुंच आसान हो सकती है। अस्पताल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और CEO डॉ. संतोष शेट्टी ने कहा कि यह उपलब्धि अस्पताल की तकनीकी क्षमता और पहले किए गए रिमोट ऑपरेशन के अनुभव पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस बार भारत की क्लिनिकल क्षमता को मस्कट के कैंसर मरीज तक पहुंचाया गया। अस्पताल के मुताबिक, यह सर्जरी सभी जरूरी नियमों के तहत की गई। इसमें CDSCO की गाइडलाइंस का पालन किया गया, ताकि सुरक्षा, नैतिकता और क्लिनिकल स्टैंडर्ड बनाए रखें। यह जरूरी है क्योंकि रिमोट सर्जरी अब धीरे-धीरे बड़े स्तर पर लागू होने की दिशा में बढ़ रही है।अस्पताल ने कहा कि यह उपलब्धि दिखाती है कि भारत अब सिर्फ मेडिकल टूरिज्म का केंद्र नहीं, बल्कि दुनिया भर में रियल-टाइम मेडिकल एक्सपर्टीज देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इससे यह भी साबित हुआ कि अब सर्जरी देश की सीमाओं से बाहर निकल रही है।कोकिलाबेन अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी के लिए एक बड़ा सेंटर है और यहां तीन एडवांस्ड रोबोटिक प्लेटफॉर्म मौजूद हैं। अस्पताल के पास भारत का पहला मेडबॉट ट्युमाई सिस्टम भी है, जिससे ऐसी सर्जरी संभव हो पाई।

अस्पताल के अनुसार, यह पूरी प्रक्रिया मरीज-केंद्रित सोच पर आधारित है। बिना यात्रा किए जटिल सर्जरी होने से मरीज को सुविधा मिलती है और बेहतर नतीजे मिलने की संभावना भी बढ़ती है।

ढाई करोड़ खर्च के बाद भी टूट रहा नीलम रेलवे पुल, फरीदाबाद महानगर प्राधिकरण में लापरवाही का नया मामला

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद महानगर प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों में खूब हीलाहवाली की जा रही है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ठेकेदार को पूरी छूट दी हुई है, तभी जो काम हो रहे हैं, उनमे लापरवाही सामने आ रही हैं। ताजा मामला नीलम रेलवे पुल से जुड़ा है। करीब ढाई करोड़ की लागत से की गई मरम्मत के बाद इसमें कई खाामियां सामने आ रही हैं। इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की गई थी। बुधवार को ब्यूरो की पंचकूला से इंजीनियरिंग शाखा से टीम आई और जगह-जगह नमूने लिए। इनकी जांच के बाद आगामी कार्रवाई होगी। यह शिकायत आरटीआइ कार्यकर्ता अजय सैनी द्वारा की गई थी। नीलम व बड़खल रेलवे पुल की मरम्मत का प्राधिकरण द्वारा एक ही टेंडर चार करोड़ तीन लाख रुपये का छोड़ा गया था। नीलम रेलवे पुल की सड़क, फुटपाथ, रेलिंग, पिलर व डिवाइडर की मरम्मत की गई थी। कुछ महीने बाद पुल के फुटपाथ पर टाइलें उखड़ गई, पुल की दोनों लेन पर कई जगह सड़क टूटने लगी हैं। सड़क पर भी दरारें दिखाई दे रही हैं। लापरवाही की बात यह है कि पुल के ठीक बीचोंबीच जर्जर रेलिंग को तोड़ा नहीं जा सका है। यहां तक कि इसे तोड़ने के लिए रेलवे के पास कोई पत्र भी नहीं लिखा है। यह जर्जर रेलिंग कभी भी गिर सकती है। अधिकारियों ने यहां डिवाइडर की मजबूती की जांच किए बिना स्ट्रीट लाइटों के खंभे लगाने की योजना तैयार कर ली थी। इतना ही नहीं इसका टेंडर छोड़ दिया, वर्क अलाट भी कर दिया। जब ठेकेदार के कर्मचारी स्ट्रीट लाइट के खंभे लगाने के लिए आए तो देखा कि डिवाइडर पर आधार बनाया ही नहीं जा सकता। क्योंकि नए खंभों के पोल बड़े हैं, डिवाइडर इतना भार सहन ही नहीं कर पाएगा। यदि आंधी आ गई तो पोल गिर भी सकते हैं। वैसे भी पुल करीब 45 साल पुराना हो चुका है। इस कारण यहां नए खंभे लगाने की योजना टल गई थी।

ब्यूरो के आने की सूचना कैसे मिल गई अधिकारियों को 5 अजय सैनी ने मरम्मत कार्य में लापरवाही की शिकायत ब्यूरो से की हुई थी। ब्यूरो की ओर से इंजीनियरिंग शाखा से कार्यकारी अभियंता जय सिंह के नेतृत्व में टीम आई लेकिन शायद प्राधिकरण के अधिकारियों को पहले ही पता लग गया था। तीन दिन से पुल के ऊपर टूटे डिवाइडर की मरम्मत चल रही थी। फुटपाथ पर पेंट किया जा रहा था। अजय सैनी ने बताया कि पुल की मरम्मत में जरूर लापरवाही सामने आएगी। इसका मतलब प्राधिकरण के अधिकारियों की ब्यूरो के कार्यालय में भी पैठ है। वहां से सूचना लीक हो गई थी। पुल की मरम्मत में उचित गुणवत्ता की निर्माण सामग्री का प्रयोग किया गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की रूटिन जांच है।

साकेत में वरिष्ठ नागरिक चलाएंगे 'अतिक्रमण हटाओ' अभियान, फुटपाथ खाली कराने की मांग

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। साकेत में वरिष्ठ नागरिक 'फुटपाथ हमारा है, अतिक्रमण हटाओ-राहत दिलाओ' अभियान चलाएंगे। इलाके में फुटपाथ पर अतिक्रमण और सड़कों पर जाम से होने वाली वाली परेशानियों को देखते हुए यह योजना बनाई गई है। सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के तहत यह अभियान चलाया जाएगा। इसमें बुजुर्ग जल्द संबंधित विभागों व अधिकारियों से मिलकर मांगपत्र सौंपेंगे। दरअसल, साकेत में अतिक्रमण, जाम और अवैध पार्किंग से स्थानीय लोग बेहद परेशान हैं। मुख्य सड़कों पर दिनभर जाम के हालात बने रहते हैं। फुटपाथ पर भी अतिक्रमण के चलते लोगों को मजबूरन सड़कों पर चलना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को होती है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के कहना है कि हमेशा दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। कई बार बुजुर्ग चोटिल भी हुए हैं। ऐसे में समस्या से निजात दिलाने के लिए फुटपाथ खाली कराने और अवैध पार्किंग हटाने की मांग उठाई जाएगी।

क्षेत्रीय लोग पहले भी कर चुके हैं विरोध : एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राकेश डबास बताते हैं कि फुटपाथ को खाली कराने के लिए हम लोग लंबे समय से मांग उठा रहे हैं। इसे लेकर नगर निगम के कमिश्नर, मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के मुख्य सचिव को भी पत्र भेजा जा चुका है। किसी की तरफ से कुछ नहीं किया जा रहा है। अब हम लोग अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से मिलेंगे और समस्या को रखेंगे। मुख्यमंत्री से भी मिलने का समय मांगा गया है।

फरीदाबाद के लोगों के लिए गुड न्यूज, 1.37 करोड़ रुपये में बनेगी नई सड़क; जानलेवा गड्ढों से मिलेगी मुक्ति

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में नगर निगम मुख्यालय के चारों तरफ टूटी हुई सड़कों से परेशान लोगों को राहत मिलने वाली है। निगम ने सड़क बनाने को लेकर 1.37 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। निगम का कहना है कि इस माह काम भी शुरू कर दिया जाएगा। इसी सड़क से होकर लोग बादशाह खान नागरिक अस्पताल जाते हैं। निगम मुख्यालय के चारों तरफ पिछले काफी समय से सड़क टूटी हुई है।

बारिश के दौरान होती है ज्यादा मुश्किल : बताया गया कि वर्षा के समय तो इस सड़क से निकलना मुश्किल हो जाता है। जलभराव होने की वजह से गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता है। जिससे वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ता है। हालांकि, इससे पहले भी निगम की ओर से सड़क को टेंडर लगाया गया था। लेकिन किसी भी एजेंसी ने टेंडर नहीं उठाया था। नगर निगम कार्यकारी अभियंता नितिन कादियान ने बताया कि सड़क को बनाने के लिए 1.37 करोड़ का टेंडर लगाया गया है। टेंडर को लेकर एजेंसियों से भी बात की जा रही है।

नाना राव पार्क में गूंजा नवकार महामंत्र; सामूहिक जाप में उमड़ा जैन समाज, विश्व शांति के लिए मांगी दुआएं

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के नाना राव पार्क का प्रांगण बुधवार को भक्ति के सागर में सराबोर हो गया। जैन धर्म के सबसे पवित्र और प्रभावशाली नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने एक स्वर में मंत्रोच्चार कर पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान आदिनाथ के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुई। सफेद वस्त्र धारण किए श्रद्धालुओं ने अनुशासनबद्ध तरीके से बैठकर णमोकार महामंत्र का जाप किया। भक्तों की मान्यता है कि इस मंत्र के जाप से न केवल आत्मिक शांति मिलती है, बल्कि नकारात्मक ऊर्जा का भी विनाश होता है।

दुनिया में शांति और भाईचारे के लिए प्रार्थना : कार्यक्रम के अंत में जैन संतों और विद्वानों ने प्रवचन दिया। उन्होंने बताया कि नवकार मंत्र किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि उन सभी अरिहंतों और सिद्धों के प्रति सम्मान है, जिन्होंने मोक्ष प्राप्त किया है। भक्तों ने देश और दुनिया में शांति और भाईचारे के लिए प्रार्थना की। आयोजन में शहर के विभिन्न जैन मंदिरों की समितियों और जैन समाज के पदाधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता की।

दिल्ली सरकार का बड़ा कदमः सरकारी वाहनों के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र अनिवार्य, 10 अप्रैल तक नवीनीकरण का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्रों के बगैर दिल्ली में चलने वाले सरकारी वाहन के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है। दिल्ली सरकार ने स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर बताया है कि बगैर पीयूसी प्रमाणपत्र के सरकारी वाहनों को न चलाने के संबंध में सभी विभागों को आदेश जारी किया गया है। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट में कहा है कि केंद्रीय मोटर वाहन नियम-1989 के नियम 115 के प्रविधानों के अनुसार प्रत्येक मोटर वाहन के लिए वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाण पत्र रखना अनिवार्य है और दिल्ली । आदेश दिया गया है। यह भी कहा गया है।

गुरुग्राम के हजारों घर खरीदारों को राहत; हरेरा ने 2024 तक के सभी मामले निपटाए, बिल्डरों को देना पड़ेगा रिफंड

नया गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (हरेरा) गुरुग्राम ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए साल 2024 तक के सभी लंबित मामलों का निपटारा कर दिया है। इससे घर खरीदारों को राहत मिलने की उम्मीद है और विवादों के समाधान की प्रक्रिया तेज होगी। अधिकारियों के अनुसार 31 मार्च 2025 तक हरेरा गुरुग्राम के पास कुल 2174 मामले लंबित थे। अब इन सभी मामलों को निपटा दिया गया है और फिलहाल केवल वर्ष 2025 और उसके बाद दर्ज मामलों पर ही सुनवाई चल रही है। 2018 के 15 मामले, 2019 के 28, 2020 के 10, 2021 के 74, 2022 के 333, 2023 के 654 और 2024 के सबसे अधिक 1,060 मामले। प्राधिकरण ने

पिछले एक साल में लगातार प्रयास कर इस पूरे बैकलाग को खत्म किया। घर खरीदारों को रिफंड और देरी से कब्जा मिलने का लाभ दिया हरेरा गुरुग्राम ने अपने बयान में कहा कि सभी मामलों का निपटारा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और कानून के अनुसार किया गया है। रेरा एक्ट की धारा 18 के तहत योग्य मामलों में घर खरीदारों को रिफंड और देरी से कब्जा का लाभ भी दिया गया। पहले मामलों के निपटारे में काफी समय लग रहा था और एक शिकायत को सुलझाने में करीब 12 से 15 महीने लगते थे। हालांकि अब प्राधिकरण का लक्ष्य इसे घटाकर 6 से 9 महीने करना है। आंकड़ों के अनुसार साल 2025 में ही हरेरा गुरुग्राम ने 5024 शिकायतों का निपटारा किया और पात्र घर खरीदारों को रिफंड या मुआवजा दिया।

रेरा मामलों को निपटाने में तीसरे स्थान पर गुरुग्राम : केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के रेरा ट्रैकर के अनुसार कुल शिकायतों के मामले में गुरुग्राम तीसरे स्थान पर है लेकिन निपटान दर में पूरे देश में सबसे आगे है। गुरुग्राम रेरा ने 17893 शिकायतें दर्ज की। जिनमें से 16753 का निपटारा किया जा चुका है यानी 93.62% निपटान दर। इसकी तुलना में उत्तर प्रदेश रेरा ने 60,021 में से 52,047 (86.71%), महाराष्ट्र रेरा ने 34,485 में से 28,289 (82.03%) और कर्नाटक रेरा ने 12,904 में से 10,522 (81.54%) मामलों का निपटारा किया है।

जीवन में सफलता के लिए योजना बनाकर करें कार्य

गोरखपुर एजेंसी। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के वाणिज्य विभाग की ओर से बुधवार को बीकॉम एवं एमकॉम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का स्वागत व अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए हमें प्रत्येक कार्य को योजना बनाकर करना चाहिए। एक अच्छी योजना हमें सही दिशा देती है और समय का सही उपयोग सिखाती है। विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव सिंह ने कहा कि हमें अपनी भाषा, बोलने का तरीका और आत्मविश्वास पर काम करना चाहिए। संचालन नव्या सिंह एवं श्रेया पांडेय ने किया। बीकॉम में अनुष्ठान उपाध्याय मिस्टर फ्रेशर व अंजू निषाद मिस फ्रेशर चुनी गई। एमकॉम में रमेश मिश्र व श्रेया पांडेय को क्रमशः मिस्टर एवं मिस फ्रेशर चुना गया। इसी तरह बीकॉम एवं एमकॉम अंतिम वर्ष के मिस्टर फेयरवेल अभिषेक प्रजापति और सत्यव्रत विश्वकर्मा और मिस फेयरवेल ज्योति कुमारी एवं नव्या सिंह को चुना गया। इस अवसर पर डॉ. संजय त्रिपाठी, डॉ. चंडी प्रसाद पांडेय, डॉ. अभय मालवीय, डॉ. दीपक साहनी, डॉ. सुभाष गुप्ता, डॉ. रानी द्विवेदी, डॉ. विवेक शाही आदि उपस्थित रहे।

संयुक्त राष्ट्र में भारत को मिली चार अहम जिम्मेदारियां, सतत विकास प्रणाली में निभाएंगे बड़ी भूमिका

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। भारत ने आर्थिक और सामाजिक परिषद से जुड़े चार अहम निकायों के चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की है। इन सभी चुनावों में भारत का चयन सर्वसम्मति से हुआ, जो वैश्विक मंच पर उसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इन चुनावों में भारत को विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग , गैर-सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति में चुना गया है। इसके साथ ही, भारत की वरिष्ठ राजनयिक रहीं प्रीति सरन को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की समिति (ष्टश्वस्ष्टक्र) में फिर से चुना गया है। वह इससे पहले इस समिति के सत्र की अध्यक्षता भी कर चुकी हैं। प्रीति सरन का 36 वर्षों का लंबा कूटनीतिक अनुभव रहा है, जिसमें उन्होंने वियतनाम में भारत की राजदूत के रूप में सेवा दी, साथ ही टोरंटो, जेनेवा, ढाका, काहिरा और मॉस्को जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर भी तैनाती संभाली।

सीईएससीआर क्या है : सीईएससीआर में 18 स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते के पालन की निगरानी करते हैं। यह समिति भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, पानी और स्वच्छता जैसे बुनियादी अधिकारों से जुड़े मामलों पर नजर रखती है। वहीं, एनजीओ समिति संयुक्त राष्ट्र में सिविल सोसाइटी संगठनों की भागीदारी तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग विकास और सतत भविष्य से जुड़े मुद्दों पर दिशा तय करता है, जबकि कार्यक्रम एवं समन्वय समिति संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कामकाज में तालमेल सुनिश्चित करती है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र की उस केंद्रीय व्यवस्था का हिस्सा है, जो सतत विकास के तीनों आयाम आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय को आगे बढ़ाने का काम करती है।

होर्मुज पर ईरान का फैसलाः जहाजों के लिए नए रास्ते तय, समुद्री माइन का अलर्ट जारी; तेल सप्लाई पर असर संभव

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। ईरान ने जहाजों की आवाजाही के लिए वैकल्पिक समुद्री रास्तों का एलान किया है, जिससे वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति पर असर पड़ सकता है।

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि समुद्री सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नौसेना ने सभी मालवाहक जहाजों और नौकाओं को इन नए, निर्दिष्ट मार्गों का पालन करने का निर्देश दिया है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जहाजों की आवाजाही नौसेना की कड़ी निगरानी में हो। विश्व में 20 फीसदी तेल का आवागमन इसी जलडमरूमध्य से होता है, ऐसे में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। ईरान ने यह कदम एक दो-सप्ताह की अस्थायी संघर्ष विराम के हिस्से के तौर पर उठाया है, जिसके तहत जलडमरूमध्य को अस्थायी रूप से फिर से खोला गया है।

IRGC नौसेना द्वारा जारी किए गए नए मार्गों का विवरण इस प्रकार हैः

प्रवेश मार्गः ओमान सागर से होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश करने वाले जहाज अब लारक द्वीप के उत्तरी हिस्से से गुजरेंगे। इसके बाद वे खाड़ी की ओर बढ़ेंगे। यह मार्ग संभावित खतरों से बचाते हुए जहाजों को सुरक्षित प्रवेश प्रदान करेगा। खाड़ी से बाहर निकलने वाले जहाजों के लिए भी एक नया मार्ग तय किया गया है। ये जहाज लारक द्वीप के दक्षिणी हिस्से से होते हुए ओमान सागर की ओर प्रस्थान करेंगे।

बातों में उलझाने में माहिर अंजली, हाथ साफ कर देती है आशा, सराफ के 12 लाख रुपये उड़ाए

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के देहली गेट थाना क्षेत्र में देवबंद के सराफ व्यापारी अनिल कुमार गुप्ता के बैग से 5 अप्रैल को 12 लाख रुपये चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग की एक महिला गुरुग्राम के गढ़ी हसरेरू गांव निवासी आशा उर्फ सुनीता को पुलिस ने बुधवार को सिटी रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ लिया। पुलिस को महिला के पास 11.20 लाख रुपये मिले। पुलिस गढ़ी हसरेरू गांव निवासी दूसरी आरोपी महिला अंजली की तलाश कर रही है। दोनों महिलाओं ने चार महीने पहले नौचंदी क्षेत्र में में किराए का मकान लिया था। आरोपी महिलाएं अलग-अलग राज्यों में जाकर घटनाओं को अंजाम देती है। आरोपी महिलाओं पर पंजाब में भी चोरी की प्राथमिकी दर्ज है। एएसपी अंतरिक्ष जैन ने बताया कि सहारनपुर जनपद के देवबंद निवासी अनिल कुमार गुप्ता ने 5 अप्रैल को थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया था कि वह अपने साथी हरिओम के साथ मेरठ के सराफा बाजार में आए थे। कार टाउन हॉल की पार्किंग में खड़ी करने के बाद वह ई-रिक्शा से बाजार की ओर जा रहे थे। इसी बीच ई-रिक्शा सवार दो महिलाओं ने उसके बैग से 12 लाख रुपये चोरी कर लिए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी। पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज चेक किए थे। महिलाएं एक सीसीटीवी में कैद हो गई थी। पुलिस ने मंगलवार रात महिलाओं के कमरे पर छापा मारा। मगर महिलाएं नहीं मिली। बुधवार सुबह पुलिस ने आरोपी महिला आशा उर्फ सुनीता को पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में महिला ने बताया कि वह अपनी सहेली अंजली के साथ मिलकर अलग-अलग राज्यों में घटना को अंजाम देती है। घटना के दौरान अंजली अपनी बेटी को साथ रखती थी। महिलाएं चोरी करने के बाद ट्रेन की मदद से वापस गुरुग्राम आ जाती थी। एएसपी का कहना है कि अंजली को जल्द पकड़ लिया जाएगा। पकड़ी गई महिला को जेल भेज दिया गया है।

अंजली भटकाती थी लोगों को ध्यान : पुलिस पूछताछ में सुनीता ने बताया कि चार महीने से वह सराफा बाजार में चोरी का प्रयास कर रही थी। चोरी करते समय अंजली ई-रिक्शा व टेंपो में बैठे लोगों को अपनी बातों में उलझाती है। बातों में उलझाकर वह घटना को अंजाम देती थी। पुलिस ने अंजली की गिरफ्तारी के लिए गुरुग्राम में डेरा डाल दिया है।

पूर्ण समझौते तक अमेरिकी सेना ईरान में रहेगी, ट्रंप का अल्टीमेटम; लेबनान पर फिर बरसे बम

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में पिछले एक महीने से ज्यादा समय से जारी हिंसक संघर्ष ने आज एक निर्णायक मोड़ ले लिया है। अमेरिका और ईरान ने दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति जताई है, जिसमें दोनों पक्षों ने लड़ाई रोकने और होर्मुज को खुला रखने का वादा किया है। ऐसे में अब बातचीत का अगला दौर इस्लामाबाद में होगा। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से एक विशेष टीम भेजी जा रही है। इस टीम का नेतृत्व खुद जेडी वेंस करेंगे।हालांकि लेबनान को लेकर स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंपने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक बयान देते हुए कहा कि अमेरिका की सैन्य ताकत ईरान और उसके आस-पास तब तक मौजूद रहेगी जब तक असल समझौते का पूर्ण पालन नहीं हो जाता। ट्रंप ने कहा इसमें अमेरिकी जहाज, विमान और सैनिक शामिल होंगे, साथ ही अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और वह सब कुछ जो दुश्मन के कमजोर किए गए ढांचे को

पूरी तरह नष्ट करने के लिए जरूरी हो। राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि समझौते का पालन किसी भी कारण से नहीं हुआ, तो कार्रवाई बड़ी, मजबूत और ऐसी होगी जो किसी ने पहले कभी नहीं देखी। ट्रंप ने आगे कहा यह लंबे समय पहले तय हुआ था और सभी झूठी बातें और बयानबाजी के बावजूद कोई परमाणु हथियार नहीं होंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह सुरक्षित और खुला रहेगा।

लेबनान से दागे गए रॉकेट को इस्राइल ने किया निष्क्रियः इस्राइली सेना ने जानकारी दी है कि लेबनान की ओर से उत्तरी इस्राइल की दिशा में दागे गए एक रॉकेट को सफलतापूर्वक हवा में ही रोक दिया गया। इस हमले के बाद गलील क्षेत्र में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बज उठे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इस्राइल ने हाल ही में लेबनान पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया है। इन हमलों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

आज के बड़े घटनाक्रम, जानिएः अमेरिका और ईरान के दो हफ्तों के युद्धविराम के बावजूद, इस्राइली सेनाओं ने लेबनान में अब तक के सबसे भयंकर दिन में कम से कम 254 लोगों की हत्या की। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और इस्राइल ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया और कहा कि लेबनान युद्धविराम में शामिल नहीं है। व्हाइट हाउस ने ईरान के 10-बिंदु प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जबकि ट्रंप ने इसे वार्ता के लिए ठीक माना था। गाजा में इस्राइली ड्रोन हमले में अल जज़ीरा पत्रकार मोहम्मद विशाह की मौत हो गई। ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड नौसेना ने समुद्री खानों से बचने के लिए नए पारगमन मार्ग घोषित किए, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य युद्धविराम के तहत खोलने का वादा पूरा किया जा सके।

इस्राइल ने फिर दक्षिण लेबनान पर बरसाए बमः इस्राइली सेना ने एक बार फिर बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला शहर के दक्षिणी उपनगरों में किया गया। इसके अलावा इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के कई कस्बों सफाद अल-बत्तिख, माजदल सेलेम, चाकरा और खेरबेत सेलेम पर भी बमबारी की है। हालांकि अभी हमलों में हुए नुकसान और हताहतों की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। स्थिति को लेकर लगातार अपडेट का इंतजार किया जा रहा है।

होर्मुज पर ईरान का बड़ा फैसला, जहाजों के लिए नए रास्ते तयः ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना ने होर्मुज में जहाजों की आवाजाही के लिए नए वैकल्पिक रास्तों का एलान किया है। यह कदम समुद्र में संभावित बारूदी सुरंगों (माइंस) से जहाजों को सुरक्षित रखने के लिए उठाया गया है।

सभी कोर्स में एआई को शामिल करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन रहा एमजीयूजी

गोरखपुर , एजेंसी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) देश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय बनने जा रहा है जहां इस शैक्षिक सत्र से सभी कोर्स एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) इंटीग्रेटेड कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश पर सभी पाठ्यक्रमों में एआई को शामिल किया गया है। यह जानकारी एमजीयूजी के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बुधवार को विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक में साझा की। कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में उप कुलसचिव ने कहा ।

कलेक्टर ने बिछिया नदी के उ–म स्थल का किया निरीक्षण, पुर्नजीवन के दिए निंदेश

जल संरक्षण और नदी के प्राकृत कि स्वरूप को बहाल करने पर जोर

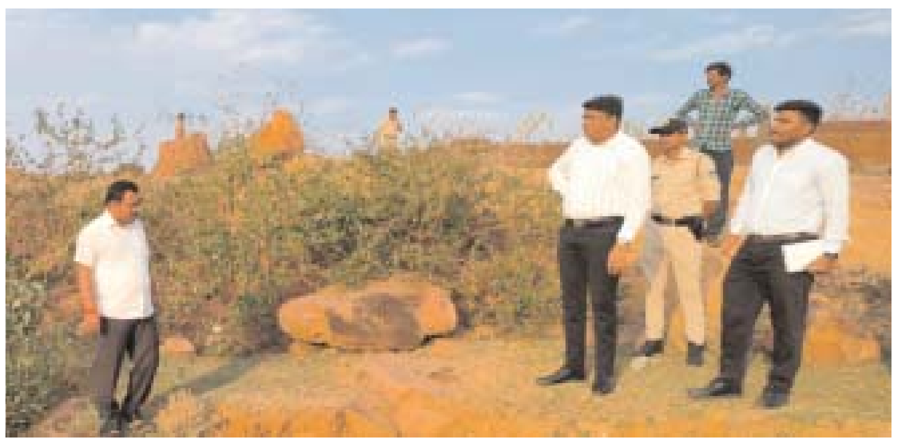

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में जल संरक्षण एवं नदी पुर्नजीवन को लेकर प्रशासन सक्रिय नजर आ रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जनपद मऊगंज के ग्राम खैरा स्थित बिछिया नदी के उद्गम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी भी उनके साथ मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उद्गम स्थल की वर्तमान स्थित का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नदी के संरक्षण एवं पुर्नजीवन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नदियों का संरक्षण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए समन्वित एवं योजनाबद्ध प्रयास जरूरी हैं। कलेक्टर ने निर्देशत किया कि बिछिया नदी के प्राकृतिक स्वरूप को पुनर्थापत करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जाए। इसके तहत उद्गम स्थल एवं नदी के प्रवाह क्षेत्र में वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जाए ताकि पर्यावरण संतुलन बना रहे और जल धारण क्षमता में वृद्धि हो। इसके साथ ही जल संरचनाओं के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि नदी क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाने की कार्यवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही वर्षा जल के अधिकतम संचयन के लिए स्थायी उपाय अपनाने पर जोर दिया ताकि नदी का जलस्तर बनाए रखा जा सके और गर्मी के मौसम में भी जल उपलब्धता बनी रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि नदी पुर्नजीवन के लिए एक ठोस कार्य योजना तैयार कर उसे समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसमें आमजन की भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इस दौरान ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाने पर भी विशेष बल दिया गया। उन्होंने कहा कि जब तक स्थानीय लोग इस अभियान से नहीं जुड़ेंगे तब तक स्थायी परिणाम प्राप्त नहीं हो सकते। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह पहल क्षेत्र में जल संकट से निपटने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

घर में लगी आग से गृहस्थी का सामान खाक :पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के माटा करही टोला गांव में रात एक घर में आग लग गई। घटना के बाद क्षेत्रीय सांसद डॉ. राजेश मिश्रा गुरुवार सुबह करीब 9 बजे घटनास्थल पर पहुंचे उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना यह आग बुधवार रात लगभग 11 बजे रामदयाल गुप्ता के घर में लगी थी, जिसमें अधिकांश सामान जलकर खाक हो गया। सांसद ने पीड़ित रामदयाल गुप्ता और उनके परिवारजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया उन्होंने परिवार की स्थिति का जायजा लिया आगजनी में रामदयाल गुप्ता के पैर झुलस गए हैं जिससे परिवार की स्थिति और भी दयनीय हो गई है। डॉ. राजेश मिश्रा ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए पीड़ित परिवार को अपनी ओर से तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की उन्होंने कहा कि वे इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़े हैं और हर संभव मदद के लिए तत्पर रहेंगे। इसके साथ ही सांसद ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की ओर से मिलने वाली हर संभव सहायता जल्द से जल्द पीड़ित परिवार तक पहुंचाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहत राशि आवासीय सहायता और अन्य सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं ताकि परिवार जल्द ही सामान्य जीवन में लौट सके सांसद ने ग्रामीणों से भी बातचीत की और उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार हर परिस्थिति में अपने नागरिकों के साथ खड़ी है ।

अल्ट्राटेक बेला सीमेंट में श्रमिकों का आंदोलन तेज

38वें दिन शुरू हुआ क्रमिक अनशन , निकाले गए मजदूरों की पुनर्नियुक्ति की मांग, सैकड़ों श्रमिक धरने पर डटे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अल्ट्राटेक बेला सीमेंट, जेपी पुरम रीवा में श्रमिकों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है विगत 2 मार्च 2026 से कार्य से निकाले गए मजदूरों की पुन: बहाली की मांग को लेकर श्रमिक कंपनी गेट के सामने धरने पर बैठे हैं। आंदोलन के 38वें दिन गुरुवार को श्रमिकों ने क्रमिक अनशन की शुरुआत कर दी। जानकारी के अनुसार कारखाना प्रबंधन और ठेकेदार द्वारा बिना कारण और बिना पूर्व सूचना के कई श्रमिकों को कार्य से हटा दिया गया था इसके विरोध में श्रमिक लंबे समय से शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे हैं मांग पूरी न होने पर अब आंदोलन को तेज करते हुए क्रमिक अनशन शुरू किया गया है। क्रमिक अनशन के प्रथम दिन यूनियन अध्यक्ष कामरेड अरुण तिवारी ने लाल बहादुर पांडे और राजेश मिश्रा को तिलक लगाकर 24 घंटे के लिए अनशन पर बैठाया इस दौरान आयोजित मजदूर सभा में यूनियन के महामंत्री रामसरोज कुशवाहा ने प्रबंधन और ठेकेदार पर हठधर्मिता का आरोप लगाया उन्होंने कहा कि प्रशासन की उदासीनता के कारण लगभग 300 मजदूरों के परिवार प्रभावित हो रहे हैं और उनके घरों में आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। सभा को संबोधित करते हुए यूनियन अध्यक्ष अरुण तिवारी ने कहा कि जब तक श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा उन्होंने मजदूरों के संघर्ष की सराहना करते हुए एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया। जिला पंचायत सदस्य लालमणि त्रिपाठी ने भी आंदोलन को समर्थन देते हुए कंपनी प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए उन्होंने कहा कि नई भर्ती कर पुराने श्रमिकों को हटाना अनुचित है और यह श्रम कानूनों का उल्लंघन है उन्होंने प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की धरना स्थल पर यूनियन के कई पदाधिकारी एवं सैकड़ों श्रमिक मौजूद रहे श्रमिकों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

एनएसयूआई स्थापना दिवस पर रीवा में संगोष्ठी, छात्र हितों की रक्षा का लिया संकल्प

ध्वज वंदन, माल्यार्पण और विचार गोष्ठी के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय रीवा में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कार्यक्रम का नेतृत्व एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने किया, जिसमें ध्वज वंदन एवं विचार संगोष्ठी प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद ध्वज वंदन कर संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनएसयूआई के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं छात्र-युवा उपस्थित रहे। विचार संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान समय में देश और प्रदेश का छात्र-युवा वर्ग अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार छात्र राजनीति को कमजोर करने का प्रयास कर रही है मध्यप्रदेश में लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव बंद होने का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि इससे छात्रों की आवाज को दबाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में पेपर लीक जैसी घटनाएं आम हो गई हैं जिससे युवाओं के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है इसके साथ ही बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी ने भी छात्रों और युवाओं को प्रभावित किया है उन्होंने सरकार पर इन समस्याओं के समाधान में विफल रहने का आरोप लगाया। पंकज उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि एनएसयूआई हमेशा से छात्र-युवा हितों की लड़ाई लड़ता आया है और आगे भी यह संघर्ष जारी रहेगा उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एनएसयूआई की विचारधारा को अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचाएं और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने भारतीय संविधान की शपथ ली और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर छात्र हितों की आवाज बुलंद करने का संकल्प दोहराया कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर जोर देते हुए किया गया।

इंश्योरेंस कंपनी के ऑफिस में तोड़फोड़, मैनेजर पर बरसाए लाठी-डंडे, 2 युवतियों को केबिन में किया बंद

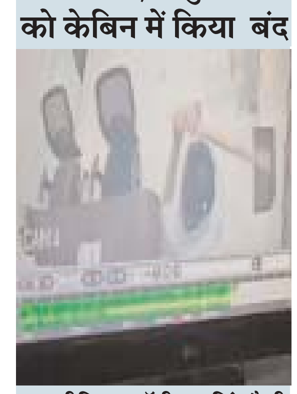

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न थाना क्षेत्र में एक इंश्योरेंस कंपनी के कार्यालय में तीन बदमाशों ने मैनेजर आकाश चौरसिया पर हमला कर दिया इस घटना में मैनेजर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह वारदात 7 अप्रैल को हुई थी जानकारी के अनुसार हमलावरों ने पहले कार्यालय में मौजूद दो महिला कर्मचारियों को चाकू दिखाकर डराया और कैबिन में बंद कर दिया इसके बाद उन्होंने मैनेजर आकाश चौरसिया के साथ मारपीट की इस हमले में आकाश का हाथ फ्रैक्चर हो गया है और उन्हें शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं बदमाशों ने कार्यालय के बाहर खड़ी एक चार पहिया वाहन को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। घायल मैनेजर आकाश चौरसिया ने पुलिस को बताया कि आरोपी पिछले तीन दिनों से उनकी रेकी कर रहे थे उन्होंने कोतवाली थाने में पहुंचकर जानलेवा हमले की शिकायत दर्ज कराई है। नगर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रजापति ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है आरोपियों की पहचान के लिए वाहन और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है प्रारंभिक जांच में यह मामला व्यापारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है हालांकि विवाद की सटीक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर संपन्न, विद्यार्थियों ने गांव में जगाई जागरूकता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम पंचायत रौरा, तहसील हुजूर, जिला रीवा में 31 मार्च से 06 अप्रैल तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को समाज सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करना था। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने ग्राम में निवास करते हुए स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता रैली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया अनुशासन, समर्पण और आदर्श दिनचर्या के साथ संचालित इस शिविर ने यह सिद्ध किया कि विद्यार्थी जब समाज के बीच जाकर कार्य करता है तो वह अपने ज्ञान और शिक्षा के माध्यम से नवाचार और जागरूकता का प्रसार करता है जनसंपर्क अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने वयस्क शिक्षा और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर सर्वेक्षण किया सर्वे में सामने आया कि लगभग हर दो घरों में 2 से 3 व्यक्ति किसी न किसी प्रकार के नशे का सेवन कर रहे हैं जो चिंता का विषय है। विद्यार्थियों ने ग्रामवासियों की समस्याओं को समझते हुए सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से लाड़ली लक्ष्मी योजना, आयुष्मान योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित शिकायतें भी दर्ज कराईं। इसके साथ ही प्राथमिक शाला में कम उपस्थिति को देखते हुए ग्राम सभा के माध्यम से शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए अभिभावकों को बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 'सितारों की शाम' का आयोजन किया गया, जिसमें गणतंत्र दिवस परेड, नई दिल्ली से लौटे एक विशिष्ट अतिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने परेड के अनुशासन, समर्पण और देशभक्ति के अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित किया।

महिला इंजीनियर 10 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार : शहडोल में लोकायुक्त की एक हफ्ते में दूसरी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त रीवा की कार्रवाई तेज हो गई है देवलौंद क्षेत्र के नगर परिषद खाड़ में पदस्थ महिला इंजीनियर सुधा वर्मा को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार रीवा की जेके कंस्ट्रक्शन कंपनी नगर परिषद क्षेत्र में नाली, सड़क और स्टेडियम के निर्माण कार्य कर रही थी काम पूरा होने के बाद बिल पास कराने के लिए प्रक्रिया शुरू हुई। आरोप है कि महिला इंजीनियर ने इसके एवज में 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। कंपनी से जुड़े जेके अग्रवाल ने इसकी शिकायत लोकायुक्त रीवा से की थी। जांच के बाद टीम ने योजना बनाकर नगर परिषद कार्यालय में जाल बिछाया तय योजना के अनुसार जैसे ही इंजीनियर ने 10 हजार रुपये लिए, टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया अचानक हुई कार्रवाई से कर्मचारी और मौजूद लोग हैरान रह गए। लोकायुक्त टीम आरोपी को पूछताछ के लिए बाणसागर स्थित जल संसाधन विभाग के रेस्ट हाउस ले गई जहां देर शाम तक कार्रवाई चलती रही। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले 2 अप्रैल को भी लोकायुक्त रीवा ने जयसिंहनगर थाने में पदस्थ एक एएसआई को रिश्वत लेते पकड़ा था।

अंत्योदय मेला : श्रमकों के स्वास्थ्य और सम्मान के लिए लगा हेल्थ कैंप

200 से अधिक श्रमकों का स्वास्थ्य परीक्षण, योजनाओं की दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंत्योदय मेला के तहत गुरुवार को लालता चौक में श्रमकों के लिए विशेष हेल्थ कैंप का आयोजन कयिा गया। इस शिवर में आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा 200 से अधिक श्रमकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की गई। शिवर में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शविरि का उद्देश्य श्रमकिों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें सामाजकि सुरक्षा योजनाओं और उनके अधकिारों के प्रत जागरूक करना था। इस दौरान श्रमकिों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ उनकी समस्याओं को भी सुना गया और उनके समाधान के लए मार्गदर्शन दयिा गया। कार्यक्रम के दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने शविरि का निरिकक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधति अधकिारयिों को आवश्यक दशिा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमकि समाज के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सम्मान को सुनश्चिति करना शासन की सरवोच्च प्राथमकिता है उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार श्रमकिों के कल्याण और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयासरत है। सांसद ने जानकारी दी कि आगामी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर इस प्रकार के शिविरों का आयोजन वशिष रूप से समाज के कमजोर और वंचति वर्गों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। शिविर में सहायक श्रम पदाधकिारी आकांक्षा पाठक द्वारा श्रमिकों को श्रम वभािग की वभिन्नि योजनाओं की जानकारी दी गई। इसमें बाल श्रम निषेध, न्यूनतम वेतन, श्रम योगी मानधन पेंशन योजना, सम्बल कार्ड पंजीयन, ग्रेच्युटी, बोनस भुगतान अधनियिम, पीएफ एवं ईएसआईसी जैसी योजनाएं शामलि रहीं। अधिकारयिों ने श्रमकिों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरति किया और उनकी समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक मारगदरशन भी प्रदान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ प्रिया पाठक, उपखंड अधकिारी राकेश शुक्ला, सिविल सरजन डॉ. एस.बी. खरे सहति अन्य अधिकारी उपस्थति रहे। यह शिवरि न केवल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का माध्यम बना, बल्कि श्रमकिों को सशक्त और जागरूक बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूरण पहल साबति हुआ।

एसईसीएल खदान में ठेका मजदूर की मौत मेंटेनेंस के दौरान बिजली पोल से गिरा युवक

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के सोहागपुर क्षेत्र स्थित एसईसीएल की बंगवार भूमिगत खदान में एक बड़ा हादसा हो गया यहां मेंटेनेंस कार्य के दौरान बिजली के पोल से गिरकर 43 वर्षीय एक ठेका मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहे लाल सिंह निवासी डोंगरा टोला के रूप में हुई है वह खान प्रबंधक कार्यालय के समीप लगे बिजली के पोल पर सुधार कार्य करने के लिए चढ़े थे कार्य के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह सीधे नीचे आ गिरे, जिससे उनके सिर पर गंभीर चोट आई उपचार के दौरान निजी अस्पताल में तोड़ा दम हादसे के तुरंत बाद प्रबंधन उन्हें केंद्रीय अस्पताल बुढ़ार ले गया। हालत नाजुक होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें शहडोल के एक निजी अस्पताल रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने ठेकेदार पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि मजदूरों से बिना किसी सुरक्षा किट और जरूरी उपकरणों के ऊंचाई पर काम कराया जा रहा था जो हादसे का मुख्य कारण बना।

नाजुक युद्धविराम: संघर्षरत पक्षों की इच्छाशक्ति से दूर होगा मानवीय संकट

संपादकीय

तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा से दुनिया को उस युद्ध से राहत मिली है, जिसने संघर्षरत पक्षों के अलावा पूरी दुनिया के लोगों के जीवन यापन को गहरे तक प्रभावित किया। निस्संदेह इस युद्ध ने पश्चिम एशिया के रणनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने के साथ ही वैश्विक कूटनीति पर असर डाला है। एक माह से अधिक समय तक चले इस युद्ध में विनाशकारी हवाई हमलों, होर्मुज जलडमरूमध्य की प्रभावी नाकाबंदी और सभ्यता के विनाश के खतरों के बाद अब एक अस्थायी विराम ने पूरी दुनिया को राहत दी है। युद्ध भले ही अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच लड़ा जा रहा था, लेकिन इसने दुनिया के तमाम देशों के नागरिकों, वैश्विक बाजारों और ऊर्जा पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरे तक प्रभावित किया। उनके लिये अस्थायी युद्ध विराम होना निस्संदेह राहतकारी खबर है। लेकिन इसके बावजूद हकीकत यह है कि इस नाजुक शांति के पीछे कई चिंताजनक सच्चाइयां छिपी हैं। यह सर्वविदित है कि जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका-इस्राइल ने यह युद्ध शुरू किया था, वे कहीं से पूरे होते नजर नहीं आते। वह बात अलग है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार लक्ष्य पूरे होने की दलील देते रहते हैं। वहीं ईरान भी युद्ध विराम को अपनी सफलता के रूप में दर्शा रहा है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिकी सैन्य प्रभुत्व के प्रमाण और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को खत्म करने के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान इसे अपनी एक रणनीतिक जीत बताता है। उसकी दलील है कि उसने दुनिया की सुपरपॉवर अमेरिका व आक्रामक इस्राइल की सेनाओं के हमलों का अकेले ही मुकाबला किया और वैश्विक तेल आपूर्ति पर अपने प्रभाव को प्रदर्शित किया है। ऐसे में कूटनीति के जानकार आशंका जता रहे हैं कि ये परस्पर विरोधी बयानबाजी स्थायी शांति की दिशा में एक कारगर कदम नहीं, बल्कि महज रणनीति में बदलाव का संकेत है। मौजूदा परिदृश्य व लगातार संवेदनशील घटनाक्रमों के बीच कहना मुश्किल है कि यह युद्धविराम किसी तार्किक परिणति तक पहुंचेगा। कहा नहीं जा सकता कि युद्धविराम के बावजूद इस्राइल पड़ोसी देशों पर हमले रोकेगा। वह कह रहा है कि लेबनान पर उसके हमले जारी रहेंगे। वहीं पाकिस्तान की तरफ से कहा जा रहा है कि समझौते के प्रारूप में लेबनान पर इस्राइल के हमले रोकना भी शामिल है। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति की 'पल-पल, क्षण-क्षण' बदलती बयानबाजी और दूसरी ओर इस्राइल की आक्रामक रणनीति स्थायी शांति के मार्ग में संदेह के कांटे बोती नजर आती है।

महिला आरक्षण से कानून-निर्माण में भागीदारी लोकतंत्र का शुभसंदेश

ब्रजमोहन श्रीवास्तव

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों के इतिहास में महिलाओं ने समाज, परिवार, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेना, प्रशासन, चिकित्सा, कानून, शिक्षा, व्यवसाय और शोध सहित अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है लेकिन राष्ट्रीय क़ानून निर्माण में उनकी भागीदारी नगण्य रही है। वे मतदाता थीं, कार्यकर्ता थीं, समाज की धुरी थीं, उन्हें विधानसभा और लोकसभा में अवसर तो मिले, परंतु उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं था। दशकों तक कानून-निर्माण के मंच पर उनकी उपस्थिति राजनैतिक परिस्थितियों और दलों की प्राथमिकताओं व नेताओं की मेहरबानी पर निर्भर रही।

तीन दशकों से अधिक समय के लंबे इंतजार के बाद अब यह स्थिति निर्णायक रूप से बदलने जा रही है। यह परिवर्तन एक दिन में नहीं आया बल्कि महिलाओं द्वारा परिणाम की चिंता किये वगैर निरंतर प्रयासों और हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भूमिका की छाप छोड़ने का परिणाम है। महिला आरक्षण संविधान-106वां संशोधन अधिनियम, 2023 के पारित होने के साथ भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं का नेतृत्व अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं

रहेगा, बल्कि वे राष्ट्र के नीति-निर्माण व क़ानून बनाने में बराबरी से भागीदार होंगी ।

यह ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। श्री मोदीजी का मानना है कि आरक्षण देने में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है इसलिए इसे अब और नहीं टाल सकते । हालांकि, इस संशोधन का क्रियान्वयन आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है इसलिए यह 2029 के आम चुनावों में भी लागू हो सकता है।

महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों की यात्रा के यहाँ तक पहुँचने में लगभग तीस वर्ष लगे है। 1992-93 में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगरीय निकायों में 33त्र आरक्षण लागू किया गया, जिससे महिलाओं की भागीदारी का मार्ग कानूनी रूप से प्रशस्त हुआ। इसके बाद कई राज्यों ने इसे 50त्र तक बढ़ाया। आज देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय निकायों में 50त्र महिला आरक्षण लागू है फलस्वरूप आज महिलाएँ अध्यक्ष, महापौर तथा पार्षद या नगर सेवक के लगभग एक लाख पदों पर प्रभावी नेतृत्व दे रही हैं।

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है। वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएँ ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच व पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती हैं। कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी द्वारा 2013 में बनाए गए नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की 1000 शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक अनिवार्य और प्रभावी घटक बन चुका है। यह स्पष्ट है कि पिछले 30 वर्षों में महिलाओं का नेतृत्व क्रमिक रूप से विकसित हुआ है। इसी क्रमिक मजबूत आधार के कारण 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करना पड़ा, जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33त्र महिला आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है । यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का संकल्प है जिससे कुल आबादी का 50 प्रतिशत जो अभी तक मतदान तक सीमित था आने वाले समय में क़ानून निर्माता की श्रेणी में आ जाएगा। दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ राजनीतिक दल और विपक्षी नेता इस ऐतिहासिक निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखते हुए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना किसी राजनैतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का नैतिक दायित्व है जिसे पूरा करने के लिये एनडीए सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ रही है फिर विपक्ष चाहे कैसी भी पैंतरेबाज़ी करें ।

ऊर्जा संकट से कैसे बाहर निकलें मजदूर ?

ऊर्जा संकट के बीच मजदूरों का शहरों से गांवों की ओर पलायन ने गहरी चिंता पैदा कर दी है। देश में बढ़ते ऊर्जा संकट ने केवल उद्योगों और अर्थव्यवस्था को ही प्रभावित नहीं किया है, बल्कि इसका सबसे बड़ा असर आम मजदूर वर्ग पर पड़ रहा है। बिजली की कमी, महंगी ऊर्जा और घटते औद्योगिक उत्पादन के कारण शहरों में रोजगार के अवसर लगातार सिकुड़ रहे हैं। ऐसे हालात में मजदूरों का शहरों से गांवों की ओर पलायन फिर से तेज होता दिख रहा है। ऊर्जा संकट का सीधा असर फैक्ट्रियों और छोटे उद्योगों पर पड़ा है। कई उद्योग या तो बंद हो गए हैं या सीमित क्षमता पर काम कर रहे हैं। इससे दिहाड़ी मजदूरों और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की आय पर गहरा असर पड़ा है। जब शहरों में काम नहीं मिलता, तो मजदूरों के सामने अपने गांव लौटने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

सौरभ वार्ष्णेय

आज जब देश ऊर्जा संकट की चुनौती से जूझ रहा है, उसका सबसे गहरा असर समाज के उस वर्ग पर पड़ रहा है जो पहले से ही आर्थिक रूप से कमजोर है–मजदूर वर्ग। महंगी बिजली, बढ़ते ईंधन दाम और अनिश्चित रोजगार ने मजदूरों की रोजमर्रा की जिंदगी को और कठिन बना दिया है। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण हो जाता है कि मजदूर इस संकट से कैसे बाहर निकलें और सरकार व समाज उनकी कैसे मदद कर सकते हैं। ऊर्जा संकट केवल बिजली की कमी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कोयला आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों, और नीतिगत कमजोरियों से भी जुड़ा है। जब उद्योगों की लागत बढ़ती है, तो सबसे पहले असर मजदूरों की मजदूरी और रोजगार पर पड़ता है। कई छोटे उद्योग बंद होने की कगार पर हैं, जिससे मजदूरों का पलायन तेज हो रहा है।

ऊर्जा संकट के बीच मजदूरों का शहरों से गांवों की ओर पलायन ने गहरी चिंता पैदा कर दी है। देश में बढ़ते ऊर्जा संकट ने केवल उद्योगों और अर्थव्यवस्था को ही प्रभावित नहीं किया है, बल्कि इसका सबसे बड़ा असर आम मजदूर वर्ग पर पड़ रहा है। बिजली की कमी, महंगी ऊर्जा और घटते औद्योगिक उत्पादन के कारण शहरों में रोजगार के अवसर लगातार सिकुड़ रहे हैं। ऐसे हालात में मजदूरों का शहरों से गांवों की ओर पलायन फिर से तेज होता दिख रहा है। ऊर्जा संकट का सीधा असर फैक्ट्रियों और छोटे उद्योगों पर पड़ा है। कई उद्योग या तो बंद हो गए हैं या सीमित क्षमता पर काम कर रहे हैं। इससे दिहाड़ी मजदूरों और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की आय पर गहरा असर पड़ा है। जब शहरों में काम नहीं मिलता, तो मजदूरों के सामने अपने गांव लौटने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। यह स्थिति हमें कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान हुए बड़े पैमाने के पलायन की याद दिलाती है, जब लाखों मजदूर शहरों से अपने गांवों की ओर लौट गए थे। हालांकि मौजूदा संकट उतना अचानक नहीं है, लेकिन इसके प्रभाव धीरे-धीरे उतने ही गंभीर होते जा रहे हैं।गांवों में लौटने के बाद मजदूरों को रोजगार की गारंटी नहीं मिलती। कृषि पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर है और सभी के लिए पर्याप्त अवसर नहीं दे सकती। ऐसे में ग्रामीण बेरोजगारी और गरीबी बढने् का खतरा है। इससे सामाजिक और आर्थिक असंतुलन और गहरा सकता है। सरकार के सामने चुनौती है कि वह ऊर्जा संकट का स्थायी समाधान निकाले और साथ ही शहरी रोजगार को बचाए। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, छोटे उद्योगों को राहत देना और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना समय की मांग है।मजदूरों का यह पलायन केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि एक मानवीय संकट भी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर देश के विकास की गति पर भी पड़ सकता है। भारत जैसे विकासशील देश में जहां आर्थिक प्रगति की गाथाएं अक्सर सुनाई जाती हैं, वहीं एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जिसकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी आज भी संघर्षों से भरी हुई है। मजदूर के पास चूल्हे जलाने तक के पैसे नहीं – यह कथन सुनने में अतिशयोक्ति लग सकता है, लेकिन ज़मीनी सच्चाई इससे बहुत दूर नहीं है। जब तक मजदूर को स्थायी रोजगार, उचित वेतन और सामाजिक

सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक उसकी स्थिति में ठोस सुधार संभव नहीं है। मजदूर के पास चूल्हे जलाने तक के पैसे नहीं – यह न तो पूरी तरह फ़साना है, न ही हर जगह की सच्चाई। यह उस कड़वी हकीकत का प्रतीक है, जिसे हम अक्सर आंकड़ों और विकास के शोर में नजरअंदाज कर देते हैं। समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूर वर्ग को सिर्फ योजनाओं का लाभ ही नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी मिले। तभी असली विकास संभव होगा। देश के असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों मजदूर आज भी अस्थिर आय, महंगाई और सामाजिक सुरक्षा की कमी से जूझ रहे हैं। दिहाड़ी मजदूर की कमाई अक्सर इतनी सीमित होती है कि वह सिर्फ दो वक्त की रोटी का इंतज़ाम कर पाता है। ऐसे में अगर एक दिन भी काम न मिले, तो चूल्हा जलना मुश्किल हो जाता है। महंगाई ने इस संकट को और गहरा किया है। रसोई गैस, खाद्यान्न और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि ने गरीब परिवारों की कमर तोड़ दी है। कई जगहों पर आज भी लोग लकड़ी या कंडे से खाना बनाने को मजबूर हैं। हालांकि यह भी सच है कि सरकार ने गरीबों के लिए कई योजनाएं चलाई हैं–मुफ्त राशन, उज्ज्वला योजना, मनरेगा जैसी योजनाएं मजदूरों को राहत देने का प्रयास करती हैं। इन योजनाओं से कई परिवारों की स्थिति में सुधार भी आया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये योजनाएं हर जरूरतमंद तक पूरी तरह पहुंच पा रही हैं? अक्सर भ्रष्टाचार, जानकारी की कमी और व्यवस्थागत खामियों के कारण कई मजदूर इन लाभों से वंचित रह जाते हैं। समस्या केवल आय की नहीं, बल्कि असमानता और अवसरों की भी है।

समाधान के रास्ते पहला समाधान यह हो सकता है कि सरकारी हस्तक्षेप यानी सरकार को सस्ती बिजली और ईंधन उपलब्ध कराने के लिए सब्सिडी और राहत पैकेज देने चाहिए। ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए विशेष योजनाएं बनाई जानी चाहिए। दूसरा वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा देना । सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय स्रोतों को अपनाना इस संकट का स्थायी समाधान हो सकता है। अगर मजदूरों को सोलर पैनल जैसी सुविधाएं सस्ती दरों पर मिलें, तो वे अपनी ऊर्जा जरूरतें खुद पूरी कर सकते हैं। तीसरा रोजगार के नए अवसर पैदा करना ऊर्जा क्षेत्र में ही रोजगार सृजन किया जा सकता है–जैसे सोलर इंस्टॉलेशन, बैटरी मेंटेनेंस आदि। इससे मजदूरों को नया कौशल और काम मिलेगा। चौथा सामाजिक सुरक्षा यानी मजदूरों के लिए राशन, स्वास्थ्य और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि वे संकट के समय भी सम्मानजनक जीवन जी सकें। ऊर्जा संकट केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता को बढ़ाने वाला मुद्दा भी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसका सबसे बड़ा खामियाजा मजदूर वर्ग को ही भुगतना पड़ेगा। सरकार, उद्योग और समाज–तीनों को मिलकर ऐसा समाधान खोजना होगा जिससे विकास की रोशनी हर घर तक पहुंचे, न कि केवल कुछ वर्गों तक सीमित रह जाए। मजदूर केवल अर्थव्यवस्था का पहिया नहीं हैं, बल्कि देश की असली ताकत हैं। उनकी समस्याओं का समाधान ही ऊर्जा संकट से बाहर निकलने का सबसे सही रास्ता है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

होम्योपैथी-मीठी गोलियों में छिपा आरोग्य का महासागर

आज दुनिया में चिकित्सा की कई पद्धतियां हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ के कुछ आंकड़े हमें चौंकाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, होम्योपैथी आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति बन चुकी है। पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता हर साल करीब 20 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है। अकेले हमारे देश भारत की बात करें, तो यहाँ लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए पूरी तरह होम्योपैथी पर भरोसा करते हैं।

दिलीप कुमार पाठक

आज के दौर में जब हम सुबह उठते हैं, तो हमारा सामना प्रदूषण, मिलावट और तनाव से होता है। ऐसे में बीमारियां हमारे जीवन का हिस्सा बन गई हैं। आज दुनिया में चिकित्सा की कई पद्धतियां हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ के कुछ आंकड़े हमें चौंकाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, होम्योपैथी आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति बन चुकी है। पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता हर साल करीब 20 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है। अकेले हमारे देश भारत की बात करें, तो यहाँ लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए पूरी तरह होम्योपैथी पर भरोसा करते हैं। यह भरोसा यूँ ही नहीं बना है, इसके पीछे इस पद्धति की सादगी और बिना किसी नुकसान के ठीक करने की ताकत छिपी है। अक्सर शरीर के अनजाने रोगों के लिए लोग सालों-साल इलाज कराते हैं। लाखों रुपए अस्पतालों और जांचों में खर्च कर देते हैं परिणाम के नाम सिर्फ चंद घंटों की राहत मिलती है। ऐसे में होम्योपैथी सस्ता और पक्का विकल्प बनकर सामने आती है। आयुष मंत्रालय की मानें तो होम्योपैथी का इलाज अन्य पद्धतियों के मुकाबले काफी किफायती है, जो भारत के हर आम और गरीब आदमी की पहुँच में है। लेकिन इसका सस्ता होना इसकी कमजोरी

नहीं, बल्कि इसकी खूबी है। यह शरीर को रसायनों की भट्टी बनाने के बजाय उसे अंदर से मजबूत बनाने का काम करती है। होम्योपैथी के बारे में एक बात बहुत मशहूर है कि यह असर दिखाने में बहुत वक्त लेती है। लोग अक्सर कहते हैं कि यह बहुत धीमी है। लेकिन हकीकत यह है कि यह धीमी नहीं बल्कि गहरी है। जब कोई बीमारी पुरानी हो जाती है, तो वह शरीर की जड़ों में बैठ जाती है। उस जड़ तक पहुँचने में दवा को थोड़ा समय तो लगता ही है। कई बार ऐसा देखा गया है कि इलाज शुरू करने के पहले पंद्रह दिनों तक मरीज को कोई खास फर्क महसूस नहीं होता। मरीज को लगता है कि शायद ये गोलियां काम नहीं कर रही हैं। लेकिन असल में वह पंद्रह दिन का समय शरीर के अंदर की सफाई और मरम्मत का होता है। जैसे ही वह आधार तैयार होता है, पंद्रह दिन बाद अचानक बीमारी ऐसे गायब होने लगती है जैसे कभी थी ही नहीं। आजकल एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होना एक बड़ी वैश्विक चिंता बन गया है। ऐसे में होम्योपैथी एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग 30 प्रतिशत लोग अब पुरानी बीमारियों के लिए सबसे पहले होम्योपैथी का चुनाव कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इन दवाओं का लीवर, किडनी या पेट पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। यही वजह है कि आज कई बड़े एलोपैथी डॉक्टर भी दबी जुबान में मानने लगे हैं कि जहाँ आधुनिक विज्ञान की सीमाएं खत्म होती हैं, वहाँ होम्योपैथी का अनुभव और असर कमाल कर जाता है।

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व होम्योपैथी दिवस दरअसल इस पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि मरीज का इलाज करते समय केवल उसके अंगों को नहीं, बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व को देखना चाहिए। होम्योपैथी में दवा देते समय डॉक्टर केवल आपकी बीमारी नहीं पूछते, बल्कि आपकी पसंद-नापसंद और आपके स्वभाव को भी समझते है। क्योंकि विज्ञान मानता है कि हर इंसान की बनावट और उसकी तकलीफ अलग होती है, इसलिए उसका इलाज भी अलग और विशेष होना चाहिए। भारत में अब 2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड होम्योपैथी डॉक्टर दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे हैं। सरकार ने भी इसे नेशनल हेल्थ मिशन का हिस्सा बनाकर इसकी ताकत को पहचाना है। यह पद्धति हमें सिखाती है कि स्वास्थ्य कोई ऐसी चीज नहीं जिसे आप दुकान से खरीद लें, यह तो एक संतुलन है जो कुदरत के करीब रहने से मिलता है। आज के महंगाई के दौर में, जब एक मामूली बीमारी भी घर का बजट बिगाड़ देती है, तब होम्योपैथी एक राहत भरी सांस की तरह लगती है। यह न केवल शरीर को ठीक करती है, बल्कि मरीज के मन से उस बीमारी का डर भी निकाल देती है। अंत में, बस इतना ही कहना काफी होगा कि आरोग्य का रास्ता हमेशा कड़वा या महंगा हो, यह जरूरी नहीं है। कभी-कभी मीठी गोलियों का छोटा सा सफर भी बड़े-बड़े रोगों को मात दे सकता है। जरूरत है तो बस थोड़े से धैर्य की और अपनी कुदरती ताकत पर विश्वास रखने की। यदि हम होम्योपैथी को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो हम न केवल बीमारियों से बचेंगे बल्कि एक खुशहाल और दुष्प्रभाव मुक्त जीवन जी पाएंगे।

पीवीटीजी सर्वे को मिली रफ्तार: प्रशिक्षण से मैदानी अमला सशक्त

मुनादी और जनसहभागिता पर जोर, हर पात्र परिवार तक पहुंचाने की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में विशेष पिछड़ी जनजातियों के सटीक सर्वेक्षण को लेकर प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। इसी क्रम में जनपद पंचायत के सभा कक्ष में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मैदानी अमले को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री वैशाली सिंह ने की कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान पीवीटीजी सर्वे ऐप के माध्यम से सर्वे की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण का उद्देश्य सर्वे प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना रहा ताकि विशेष पिछड़ी जनजातियों के प्रत्येक परिवार की सटीक जानकारी एकत्रित की जा सके और उन्हें शासन की योजनाओं

का लाभ प्रभावी ढंग से मिल सके। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को ऐप संचालन, डेटा एंट्री, तकनीकी समस्याओं के समाधान और रिपोर्टिंग प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी साथ ही सर्वे के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर भी विशेष जोर दिया गया मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैशाली सिंह ने कहा कि पीवीटीजी सर्वे शासन की प्राथमिकता वाला महत्वपूर्ण अभियान है उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे इस कार्य को पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ करें, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही छूट

न पाए। प्रशिक्षण में सर्वे कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा करने पर जोर दिया गया। साथ ही गांवों में मुनादी के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार और जनसहभागिता बढ़ाने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में बताया गया कि वार्ड स्तर पर मितानिन, पंच और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से सर्वे कार्य को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

कोलारस-रन्नौद मार्ग बंद रहने की अवधि फिर बढ़ी :समय सीमा के बाद भी काम अधूरा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस अनुभाग अंतर्गत भड़ौता-रन्नौद मार्ग पर सिंध नदी पर बन रहे पुल के कारण आमजन की परेशानी बढ़ गई है पहले अप्रैल 2026 तक इस मार्ग को शुरू करने की उम्मीद थी लेकिन अब निर्माण कार्य में देरी के चलते इसे करीब 6 महीने और बंद रखने का निर्णय लिया गया है इससे क्षेत्र के हजारों वाहन चालकों को लंबे समय तक वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ेगा। सिंध नदी पर करीब 24 करोड़ रुपए की लागत से 570 मीटर लंबे पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी के मुताबिक अब तक लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन अंतिम चरण के कार्य और एप्रोच रोड का काम अभी बाकी है इसी कारण सुरक्षा की दृष्टि से इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रखा गया है। यह मार्ग फरवरी 2025 से ही बंद पड़ा हुआ है इस मार्ग से बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते थे लेकिन बंद होने के कारण लोगों को लंबा चक्कर लगाकर यात्रा करनी पड़ रही है। खासतौर पर व्यापारियों, किसानों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया है कि इस पुल का कार्य आदेश 6 अक्टूबर 2023 को जारी हुआ था और निर्माण कार्य की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई थी तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी काम पूरा नहीं हो सका है इस मामले में ओपीएस कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर विकास त्यागी का कहना है कि इस बार क्षेत्र में हुई भारी बारिश के चलते सिंध नदी में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुआ।

चक्का जाम के बाद प्रशासन अलर्ट, पाइपलाइन विस्तार और नए कनेक्शन का काम तेज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। गोदरीपारा क्षेत्र में पेयजल संकट को लेकर हुए चक्का जाम के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है अब क्षेत्र में राहत और स्थायी समाधान की दिशा में तेजी से काम शुरू कर दिया गया है नगर पालिक निगम चिरमिरी ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि प्रभावित इलाकों में 14 टैंकरों के माध्यम से नियमित पानी सप्लाई की जा रही है। अमृत मिशन 2.0 से मिलेगा स्थायी समाधान निगम के अनुसार अमृत मिशन 2.0 के तहत घर-घर नल कनेक्शन देने का कार्य तेजी से चल रहा है। इसके साथ ही पाइपलाइन विस्तार और जल आपूर्ति प्रणाली को मजबूत करने के प्रयास जारी हैं। 15वें वित्त आयोग की राशि से गोदरीपारा, डोमनहिल और बरतुंगा क्षेत्रों में पाइपलाइन विस्तार किया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 26, 27, 30, 31, 32, 33, 34 और 35 में करीब 100 मीटर नई पाइपलाइन जोड़कर बड़ाबाजार पानी टंकी से कनेक्शन दिया गया है जिससे एसईसीएल कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों में जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। निगम ने बताया कि जल स्तर में गिरावट और प्रेशर कम होने के कारण अस्थायी समस्या बनी थी ऐसे में नगर निगम और एसईसीएल प्रबंधन के समन्वय से 14 टैंकरों के जरिए नियमित जलापूर्ति की जा रही है ताकि लोगों को परेशानी न हो। जन जागरण संघर्ष समिति की मांगों पर संज्ञान लेते हुए निगम ने आश्वासन दिया है कि 15 दिनों के भीतर पाइपलाइन कनेक्शन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही सप्ताह में कम से कम दो दिन नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। दीर्घकालिक समाधान के तहत अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत 16 नई पानी टंकियों के निर्माण के लिए स्थान चिन्हित कर लिए गए हैं योजना पूरी होने के बाद हर घर तक नियमित और सुचारु जल आपूर्ति संभव हो सकेगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जहां भी अस्थायी जल संकट उत्पन्न होगा वहां तत्काल टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाएगा इसके लिए नगर निगम और एसईसीएल के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है।

भीषण गर्मी में राहत: बंद हैंडपंप चालू, गांवों में लौटी पानी की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और बढ़ते जल संकट के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की सक्रियता ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है। विभाग द्वारा बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत और संधारण कार्य तेजी से किया जा रहा है जिससे गांवों में पेयजल की उपलब्धता फिर से सुनिश्चित होने लगी है। गर्मी के इस कठिन दौर में जहां तापमान लगातार बढ़ रहा है और जल स्त्रोत सूखने लगे हैं वहीं पेयजल की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। ऐसे समय में विभाग की टीमें लगातार मैदानी स्तर पर सक्रिय हैं और गांव-गांव पहुंचकर खराब पड़े हैंडपंपों को सुधारने का कार्य कर रही हैं विभाग का यह अभियान न केवल समयबद्ध है बल्कि प्रभावी भी साबित हो रहा है। इसी क्रम में विकासखंड खड़गवां के अंतर्गत ग्राम पंचायत सलका के स्कूल पारा में लंबे समय से खराब पड़े एक हैंडपंप को सुधार कर पुनः चालू किया गया। यह हैंडपंप कई दिनों से बंद था जिसके कारण आसपास के ग्रामीणों को पेयजल के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा था विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तकनीकी खराबी को दूर किया और हैंडपंप को सुचारू रूप से चालू कर दिया। हैंडपंप के चालू होते ही गांव के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा राहत मिली जिन्हें पहले पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। अब नजदीक ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से उनका समय और श्रम दोनों बच रहा है। PHE विभाग की यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता और आमजन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जल संकट जैसी गंभीर समस्या के समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई कर विभाग ने यह साबित किया है कि जनहित सर्वोपरि है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जिले के अन्य गांवों में भी खराब पड़े हैंडपंपों की सूची तैयार कर ली गई है और उनकी मरम्मत का कार्य लगातार जारी है प्राथमिकता उन क्षेत्रों को दी जा रही है जहां जल संकट अधिक गंभीर है गौरतलब है कि गर्मी के मौसम में पेयजल की मांग तेजी से बढ़ जाती है ऐसे में इस प्रकार की मुहिम न केवल राहत प्रदान करती है बल्कि ग्रामीण जीवन को भी सुचारू बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। PHE विभाग के इन प्रयासों से आने वाले दिनों में जल संकट में और कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

2 हजार का विवाद; महिला के सिर पर भगौनी मारी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। खाटू श्याम कॉलोनी में 2000 रुपये के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक महिला पर मां-बेटे ने हमला कर दिया आरोप है कि बेटे ने महिला के सिर पर भगौनी से वार किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने घायल महिला की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना 8 अप्रैल की शाम को हुई कॉलोनी निवासी रचना पत्नी बंटी सैन (34) अपने घर के बाहर खड़ी थीं तभी उनके पड़ोसी विकास धाकड़ अपनी मां के साथ वहां पहुंचे। आरोपियों ने आते ही रुपए के लेन-देन को लेकर रचना को अपशब्द कहने शुरू कर दिए जब रचना ने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। इसके बाद विकास धाकड़ घर से भगौनी लेकर आया और उसने रचना के सिर पर जोरदार वार कर दिया इस हमले में रचना के माथे पर गंभीर चोट आई और खून बहने लगा उन्हें पीठ में भी अंदरूनी चोटें आई हैं। घटना के बाद रचना थाने पहुंचीं और पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी विकास धाकड़ और उसकी मां के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केरोसीन डालकर पत्नी को जिंदा जलाया, तड़पते देखता रहा :हाईकोर्ट बोला- मरता इंसान झूठ नहीं बोलता, दोषसिद्धि करने यह ठोस आधार, पति की उम्रकैद बरकरार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के पांडातराई में कैरेक्टर पर शक के चलते पति ने पत्नी पर केरोसीन डालकर उसे जिंदा जला दिया आग से जलती हुई महिला ने तालाब में कूदकर अपनी जान बचाने की कोशिश भी की लेकिन वह नहीं बच सकी। पति उसे जलते हुए देखता रहा। अब हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मामले में हत्या के दोषी पति की अपील खारिज कर दी है डिवीजन बेंच ने उम्रकैद के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि, मरने से पहले का बयान अपने आप में दोषसिद्धि का ठोस आधार है क्योंकि मरते हुए व्यक्ति के होठों पर सत्य निवास करता है कैरेक्टर पर शक के चलते पति ने पत्नी पर केरोसीन

डालकर उसे जिंदा जला दिया। दरअसल पांडातराई निवासी आरोपी संतोष उर्फ गोलू श्रीवास्तव ने 18 नवंबर 2019 को पत्नी लता श्रीवास्तव पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी थी। उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह पत्नी के चरित्र पर शक करता था। इसके चलते दोनों पति-पत्नी के बीच आए दिन विवाद होता था इसी विवाद की वजह से उसने घर का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया फिर पत्नी के ऊपर मिट्टी तेल डालकर उसे आग के हवाले कर दिया। इस दौरान बुरी तरह झुलसी लता ने घर के पास स्थित तालाब में कूदकर अपनी जान बचाने की कोशिश की। जिसके बाद उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया अस्पताल में उसने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के सामने उसने अपने पति के खिलाफ बयान दर्ज कराया। उसने बताया कि पति ने उसके ऊपर मिट्टी तेल डालकर आग लगाई है। इस बीच करीब 21 दिनों तक चले इलाज के बाद 9 दिसंबर 2019 को 'सेप्टिक शॉक' के कारण उसकी मौत हो गई थी हाईकोर्ट ने आरोपी की दलीलों को खारिज कर दिया। पुलिस ने जांच और महिला के बयान के आधार पर आरोपी पति संतोष श्रीवास के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने चार्जशीट पेश किया तब ट्रॉयल के दौरान पति को हत्या का दोषी पाया गया जिस पर निचली अदालत ने पति को उम्रकैद की सजा सुनाई इस फैसले के खिलाफ उसने हाईकोर्ट में अपील की थी। इस मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने आरोपी की दलीलों को खारिज कर दिया कोर्ट ने कहा कि मौत से पहले दिया गया बयान विश्वसनीय है तो बिना किसी अन्य गवाह के भी सजा दी जा सकती है।

विवादित भूमि पर खरीदी-बिक्री सहित सभी गतिविधियों पर रोक, जंगल की जमीन को निजी बताकर बेचने का मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त एक गंभीर शिकायत के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम बेलबहरा की एक विवादित भूमि पर सभी प्रकार की गतिविधियों पर सख्त रोक लगा दी है मामला जंगल की भूमि को निजी बताकर उसके अवैध विक्रय से जुड़ा हुआ है जिसने राजस्व अमले को भी चौंका दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बेलबहरा, तहसील मनेन्द्रगढ़ स्थित खसरा नंबर 62 (पुराना खसरा नंबर 32) वर्ष 1944-45 के राजस्व अभिलेखों में छोटे झाड़ का जंगल के रूप में दर्ज थी आरोप है कि वर्ष 1980-81 में बिना किसी वैधानिक आदेश के इस भूमि को रामसुभग के नाम दर्ज कर दिया गया इसके बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा स्वयं को भूमि आबंटित होना दर्शाते हुए शासकीय अनुमति प्राप्त की गई और बाद में भूमि का विक्रय भी कर दिया गया। यह पूरा मामला शिकायत के माध्यम से कलेक्टर जनदर्शन में सामने आया, जिसके बाद प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश दिए। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनेन्द्रगढ़ को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि भूमि विक्रय की अनुमति प्राप्त करते समय महत्वपूर्ण जानकारियों को छिपाया गया और भ्रामक जानकारी प्रस्तुत की गई थी। जांच प्रतिवेदन में इस भूमि को पुनः शासकीय मद में दर्ज करने की अनुशंसा की गई है साथ ही संबंधित प्रकरण में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि भी हुई है जिससे यह मामला और अधिक गंभीर हो गया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा 20 मार्च 2026 को प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जब तक इस मामले का अंतिम निराकरण नहीं हो जाता तब तक संबंधित भूमि पर सख्त प्रतिबंध लागू रहेंगे। प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार विवादित भूमि पर खरीदी-बिक्री, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, व्यपवर्तन सहित किसी भी प्रकार की राजस्व कार्रवाई पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि उक्त भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं किया जा सकेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह कदम न केवल शासकीय भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा बल्कि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं पर भी रोक लगाने में सहायक सिद्ध होगा।

शिवपुरी में शिक्षकों की रैली, कहा-टीईटी अनिवार्यता समाप्त हो; बोले-मांगें नहीं मानी तो तेज होगा आंदोल,सेवा गणना की मांग भी उठाई

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला मुख्यालय पर शाम को बड़ी संख्या में शिक्षक एकजुट हुए उन्होंने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा उनकी मुख्य मांगों में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता खत्म करना और सेवा अवधि की गणना पहली नियुक्ति तिथि से करना शामिल है। शिक्षकों ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय और जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रदेश के नॉन-टीईटी शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करने के निर्देश जारी किए गए हैं शिक्षकों के अनुसार, यह राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की अधिसूचना और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के विपरीत है। शिक्षकों का तर्क है कि एनसीटीई की 10 अगस्त 2010 की अधिसूचना के तहत 3

सितंबर 2001 से पहले और बाद में नियुक्त कई श्रेणियों के शिक्षकों को टीईटी से छूट मिली हुई है इसके बावजूद, उन्हें विभागीय स्तर पर टीईटी पास करने के लिए बाध्य किया जा रहा है जो न्यायालय की भावना के खिलाफ है। शिक्षकों ने मांग की कि लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा 2 मार्च 2026 और जनजातीय कार्य विभाग द्वारा 26 मार्च 2026 को जारी किए गए आदेशों को तत्काल निरस्त किया जाए साथ ही, सर्वोच्च न्यायालय में रिव्यू पिटीशन दायर कर शिक्षकों को राहत प्रदान की जाए। इसके अलावा शिक्षकों ने अपनी एक और पुरानी मांग दोहराई उन्होंने कहा कि उनकी सेवा अवधि की गणना पहली नियुक्ति तिथि से की जाए इससे उन्हें पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण और पदोन्नति जैसे वैधानिक लाभ मिल सकेंगे रैली के दौरान शिक्षकों ने सरकार के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

एनएच-46 पर बस-ट्रक की भिड़ंत, मरम्मत के चलते एक लेन पर चल रहा ट्रैफिक

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में एनएच-46 पर अटलपुर और बरखेड़ा गांव के बीच गुरुवार को एक यात्री बस और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई हादसे में 12 यात्री घायल हो गए जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार पीतांबरा बस ट्रेवल्स की बस गुना से खनियाधाना की ओर जा रही थी। अटलपुर-बरखेड़ा के पास एनएच-46 पर यह बस सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई टक्कर इतनी तेज थी कि बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन सहित मौके से फरार हो गया बताया गया है कि दुर्घटना स्थल पर हाइवे पर रखरखाव का काम चल रहा था। इस कारण सड़क की केवल एक लेन ही यातायात के लिए खुली थी जिससे दोनों दिशाओं का ट्रैफिक एक ही पट्टी से गुजर रहा था इसी वजह से बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में कुल 12 यात्री घायल हुए हैं। घायलों में प्रसन बाई यादव, शिवम, रामवीर यादव, राजकुमार पटेल, अंकित सेन, संजय अहिरवार, ममता अहिरवार, रामसेवक शिवहरे, अजीत जाटव, उन्नत सिंह आदिवासी, निखिल सिकरवार और अंकुर सिकरवार शामिल हैं। घायलों में अंकित सेन, संजय अहिरवार, अजीत जाटव और उन्नत सिंह आदिवासी की स्थिति गंभीर बनी हुई है उन्हें बदरवास स्वास्थ्य केंद्र से शिवपुरी जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही बदरवास पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत-बचाव कार्य शुरू किया और एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है।

बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप~ सिंधु-प्रणॉय की जीत, लक्ष्य और किदांबी को झटका

निंगबो , एजेंसी। बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप के पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। बुधवार को 2 बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और एचएस प्रणॉय ने पहले राउंड की कड़ी चुनौती को पार कर लिया, जबकि लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत को बाहर होना पड़ा। सिंधु को मलेशिया की वोंग लिंग चिंग ने कड़ी टक्कर दी, जिसके बाद उन्होंने तीन गेम में मुश्किल से जीत हासिल की। ??पहला गेम 15-21 से हारने के बाद, भारतीय शटलर ने खुद को संभाला और दूसरे गेम पर 21-11 से कब्जा कर लिया। निर्णायक गेम एक तनावपूर्ण मुकाबला बन गया, जिसमें बार-बार मैच का रुख बदल रहा था। जब स्कोर 19-19 पर बराबर था, तो सिंधु ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए आखिरी दो प्वाइंट जीते और एक घंटे सात मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। भारतीय स्टार अब दूसरे राउंड में चीन की वांग झी यी से भिड़ेंगी।

इस बीच, प्रणॉय ने गुयेन हाई डांग को सीधे गेम में 24-22, 21-12 से हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। उन्होंने पहले गेम में कई गेम प्वाइंट बचाते हुए 24-22 से करीबी जीत हासिल की। ??इसके बाद दूसरे गेम में पूरी तरह दबदबा बनाया और लय बनाए रखते हुए 21-12 से गेम जीत लिया। अब दूसरे राउंड में उनका मुकाबला चीन के शटलर वेंग होंग यांग से होगा।

इसके विपरीत, लक्ष्य सेन को हांगकांग के ली चेउक

यियू के हाथों सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ उनका सफर समाप्त हो गया। 41 मिनट तक चले इस मुकाबले में लक्ष्य को 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एक अन्य मैच में, श्रीकांत को सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू के हाथों तीन गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्होंने पहले गेम में कड़े संघर्ष के बाद 21-18 से जीत हासिल की। ??हालांकि, लोह ने दूसरे गेम में वापसी की, रैलियों पर अपना दबदबा बनाया और 21-9 से गेम जीतकर मैच बराबर कर दिया। सिंगापुर के खिलाड़ी ने उसी लय को निर्णायक गेम में भी बनाए रखा, लगातार आक्रामक खेल और सात प्वाइंट्स की बढ़त के साथ मैच पर अपना नियंत्रण बनाए रखते हुए 21-11 से गेम अपने नाम कर लिया।

भारत की तरफ से बुधवार का सबसे शानदार प्रदर्शन उभरते हुए सितारे आयुष शेट्टी ने किया, जिन्होंने चीन के वर्ल्ड नंबर 7 ली शी फेंग को सीधे गेमों में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए अब उनका मुकाबला ताइपे के वर्ल्ड नंबर 20 ची यू जेन से होगा। दूसरी ओर, विमेंस सिंगल्स में भारत को निराशा हाथ लगी, जहां मालविका बंसोड़ और तन्वी शर्मा अपने-अपने मैचों में सीधे गेम में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

आईपीएल 2026~ केकेआर को राहत, अगले मैच में बतौर गेंदबाज नजर आ सकता है 25.20 करोड़ रुपए का ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज कैमरून ग्रीन लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्रीन आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने थे, उन्हें केकेआर ने 25.20 करोड़ रुपए में खरीदा था, उन्होंने टीम के शुरुआती मुकाबलों में एक विशुद्ध बल्लेबाज के रूप में खेला है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने केकेआर को सूचित किया था कि आईपीएल 2026 की शुरुआत में कैमरून ग्रीन एक बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे। सीए ने 30 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ केकेआर के पहले मैच के बाद जारी एक बयान में कहा, 卐कैमरून को पीठ के निचले हिस्से में चोट है, जिसका इलाज चल रहा है, लेकिन इसके लिए उन्हें कुछ समय तक गेंदबाजी से दूर रहने की जरूरत है। कैमरून फिलहाल भारत में अपनी गेंदबाजी का भार धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं, ताकि लगभग 10-12 दिनों में वापसी कर सकें। बैटिंग ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस (एमआई) की ओर से 16 मैच खेले थे, जिसमें 50.22 की औसत से 452 रन बनाने के साथ उन्होंने 6 विकेट भी अपने नाम किए थे। इसके बाद आईपीएल 2024 में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तरफ से 13 मैच खेले, जिसमें 255 रन बनाने के साथ 10 विकेट निकाले। आईपीएल 2026 के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कैमरून ग्रीन को अपने साथ जोड़ा। इस टीम के लिए उन्होंने अब तक तीनों ही मैच खेले हैं, लेकिन एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं की। बल्ले से उन्होंने 8 की औसत के साथ सिर्फ 24 रन जुटाए। आईपीएल 2026 की शुरुआत को 10 से ज्यादा दिन हो गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीन अब प्रतिस्पर्धी माहौल में गेंदबाजी करने के लिए तैयार हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजी विभाग में ग्रीन की कमी बहुत ज्यादा खल रही है; यह विभाग पहले से ही मथीशा पथिराना, हर्षित राणा और आकाश दीप के बिना है, जो चोटों से उबर रहे हैं, जबकि मुस्तफिजुर रहमान को टूर्नामेंट शुरू होने से काफी पहले ही बीसीसीआई के निर्देशों पर टीम से हटा दिया गया था। वरुण चक्रवर्ती की खराब फॉर्म ने केकेआर की मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। नतीजतन, तीन बार की चैंपियन टीम अपने शुरुआती दोनों मैच हार चुकी है और उसके पास केवल एक अंक है, क्योंकि पंजाब किंग्स के खिलाफ उसका तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

आईपीएल 2026~ दिल्ली में गिल-सुंदर की जोड़ी का कारनामा, इस मामले में बने नंबर-3

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटंस (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के विरुद्ध इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 14वें मैच में वाशिंगटन सुंदर के साथ तीसरे विकेट के लिए 60 गेंदों में 104 रन की साझेदारी की। यह गुजरात टाइटंस के लिए तीसरे विकेट या उससे निचले क्रम पर तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इस लिस्ट में शीर्ष पर जोस बटलर और शेरफेन रदरफोर्ड की जोड़ी है, जिसने साल 2025 में अहमदाबाद के मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध 119 रन जोड़े थे। वहीं, डेविड मिलर और हार्दिक पंड्या की जोड़ी ने साल 2022 के क्वालीफायर मैच में राजस्थानर रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ 106 रन की अटूट साझेदारी की थी। बुधवार को खेले जा रहे मैच में इस साझेदारी के दम पर गुजरात टाइटंस ने निर्धारित ओवरों में 4 विकेट खोकर 210 रन बनाए। यह घर से बाहर पहले बल्लेबाजी करते हुए जीटी का दूसरा 200+ का स्कोर है। पिछले साल जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इस टीम ने 209/4 का स्कोर खड़ा किया था। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस ने 9 बार ऐसा किया है।

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल इतिहास में कुल 18 बार (किसी भी पारी में) 200 का आंकड़ा पार किया है। इस दौरान 13 बार अहमदाबाद में, तीन बार दिल्ली में, और एक-एक बार जयपुर और मुल्लनपुर में यह कारनामा किया।

बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में जारी इस मैच में गुजरात टाइटंस ने महज 2.1 ओवर में साई सुदर्शन के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया। सुदर्शन टीम के खाते में 12 रन का ही योगदान दे सके। यहां से कप्तान गिल ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। बटलर 27 गेंदों में 5 छक्कों और 2 चौकों के साथ 52 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद गिल ने वाशिंगटन सुंदर के साथ तीसरे विकेट के लिए 104 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

गिल 45 गेंदों में 5 छक्कों और 4 चौकों के साथ 70 रन बनाकर आउट हुए, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 32 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 55 रन जुटाए। विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि लुंगी एनगिडी और कुलदीप यादव ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

जीत का खाता खोलने को बेताब केकेआर, जानिए एलएसजी के खिलाफ कैसा है रिकॉर्ड?

कोलकाता , एजेंसी। । तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अपने चौथे मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का सामना करेगी। यह मुकाबला ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। आईपीएल 2026 में केकेआर की शुरुआत काफी मुश्किल रही है। केकेआर ने इस सीजन अब तक एक भी जीत दर्ज नहीं की है। इस टीम को अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस (एमआई) के हाथों 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उसे सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने 65 रन से मात दी। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ केकेआर का मुकाबला बारिश के चलत बेनतीजा रहा था, जिसके चलते दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बांटे गए। केकेआर 3 मुकाबलों में 1 अंक के साथ प्वाइंट्स टेबल में 8वें पायदान पर मौजूद है। केकेआर की टीम यह मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी। इस अहम मुकाबले से पहले, फैंस अपने स्टार खिलाड़ियों को वापसी करते और लय में आते हुए देखने के लिए बेताब होंगे।

दूसरी ओर, एलएसजी की टीम 2 में से 1 मैच जीतकर छठे पायदान पर मौजूद है। इस टीम ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के विरुद्ध अपना पहला मैच 6 विकेट से गंवाया था, जिसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद (एचआरएच) के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज करते हुए अपना खाता खोला।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में लखनऊ सुपर जायंट्स का पलड़ा भारी है। आईपीएल में दोनों टीमें 6 बार आमने-सामने रही हैं, जिसमें एलएसजी ने 4 मुकाबले अपने नाम किए। दोनों टीमों के बीच पहली भिड़ंत साल 2022 में हुई थी, जिसमें एलएसजी ने 75 रनों से जीत हासिल की।

कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम~ अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, सुनील नरेन, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, कैमरून ग्रीन, फिन एलन, मथीशा पथिराना, तेजस्वी सिंह, कार्तिक त्यागी, प्रशांत सोलंकी, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, रचिन रवींद्र, ब्लेसिंग मुजारा, सौरभ दुबे, और नवदीप सैनी।

लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम~ ऋषभ पंत (कप्तान), मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम. सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नॉर्टजे, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान।

आईपीएल 2026~ छक्कों की बरसात के साथ बटलर ने इतिहास रचा, इस मामले में नंबर-1 बने

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटंस (जीटी) के बल्लेबाज जोस बटलर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इतिहास रच दिया है। बटलर गुजरात टाइटंस की ओर से पारी के शुरुआती 6 ओवरों में सर्वाधिक 5 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मामले में बटलर ने ऋद्धिमान साहा को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने साल 2023 में जीटी ओर से खेलते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ शुरुआती 6 ओवरों में 4 छक्के लगाए थे। आईपीएल की किसी पारी के पहले छह ओवरों में, बटलर के ये 5 छक्के किसी ऐसे बल्लेबाज की ओर से लगाए गए दूसरे सर्वाधिक छक्के हैं, जो ओपनर नहीं है। बटलर सिर्फ सुरेश रैना से पीछे है, जिन्होंने साल 2014 के क्वालीफायर-2 में पंजाब किंग्स के विरुद्ध शुरुआती 6 ओवरों में 5 छक्के लगाए थे। बटलर ने पारी के तीसरे ओवर में मुकेश कुमार की गेंद को सीधे बाउंड्री पार पहुंचाया। अगले ओवर में उन्होंने अक्षर पटेल के विरुद्ध एक छक्का लगाया। मैच के पांचवें ओवर में बटलर ने मुकेश कुमार को एक बार फिर निशाने पर लिया, उन्होंने इस ओवर में 3 छक्के लगाए। पावरप्ले की समाप्ति तक गुजरात टाइटंस ने 1 विकेट खोकर 68 रन बना लिए थे। यह आईपीएल इतिहास में शुरुआती 6 ओवरों में गुजरात टाइटंस का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इस लिस्ट में साल 2025 में अहमदाबाद के मैदान पर खेला गया मैच शीर्ष पर है, जिसमें जीटी ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ बगैर कोई विकेट गंवाए 82 रन बनाए थे। साल 2023 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ इस टीम ने बगैर कोई विकेट गंवाए 78 रन बनाए थे।

आईपीएल 2026: गिल, सुंदर और बटलर की फिफ्टी, जीटी ने डीसी को दिया 211 रन का टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 14वें मुकाबले में कप्तान शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर और जोस बटलर की अर्धशतकीय पारियों की मदद से गुजरात टाइटंस (जीटी) ने बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के विरुद्ध जीत के लिए 211 रन का टारगेट रखा है। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इस टीम को महज 2.1 ओवर में साई सुदर्शन (12) के रूप में पहला झटका लगा। उस समय तक टीम के खाते में सिर्फ 19 रन जुड़े थे। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 60 रन की साझेदारी की। बटलर 27 गेंदों में 5 छक्कों और 3 चौकों के साथ 52 रन बनाकर आउट हुए। यहां से कप्तान गिल ने वाशिंगटन सुंदर के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने 60 गेंदों में 104 रन की साझेदारी की। कप्तान गिल 45 गेंदों में 5 छक्कों और 4 चौकों के साथ 70 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वाशिंगटन सुंदर ने 32 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 55 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से मुकेश कुमार ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि लुंगी एनगिडी और कुलदीप यादव ने 1-1 विकेट हासिल किया। इस मुकाबले के लिए डीसी ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई फेरबदल नहीं किया है, जबकि जीटी एक बदलाव के साथ इस मैच में उतरी है। कप्तान गिल ने वापसी की है, जिसकी वजह से कुमार कुशाग्र को बाहर बैठना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स इस मुकाबले को अपने नाम करते हुए जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी। इस टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ पहला मैच 6 विकेट से जीतने के बाद मुंबई इंडियंस (एमआई) के विरुद्ध इतने ही अंतर से मुकाबला अपने नाम किया था। दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस को जीत का खाता खोलने की उम्मीद है। इस टीम को पंजाब किंग्स (पीबीकेस) के विरुद्ध 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद पीबीकेएस ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के विरुद्ध 6 रन से मुकाबला गंवा दिया। गुजरात टाइटंस की प्लेइंग इलेवन~ शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा। दिल्ली कैपिटल्स की प्लेइंग इलेवन~ केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, नितीश राणा, विप्रज निगम, अक्षर पटेल (कप्तान), डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन, मुकेश कुमार।

रायसेन में पुलिस का एक्शन, बुलेट से उतरवाया 'कानफोडू' साइलेंसर

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को सख्त कार्रवाई की। थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल ने गश्त के दौरान एक बुलेट बाइक को रोका, जिसमें तेज आवाज वाला साइलेंसर लगा था। पुलिस ने मौके पर ही बाइक को जब्त कर कोतवाली थाने ले आई। यहां बाइक में लगे मॉडिफाइड साइलेंसर को हटवाया गया और उसकी जगह कंपनी का ओरिजिनल साइलेंसर लगवाया गया। अवैध साइलेंसर को जब्त कर लिया गया। थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल ने बताया कि शहर में कई बाइक चालक अपनी गाड़ियों में अवैध रूप से साइलेंसर मॉडिफाई करवा रहे हैं। इससे तेज आवाज निकलती है और आम लोगों को परेशानी होती है। इस संबंध में पहले भी शिकायतें मिली थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी गाड़ियों में अवैध बदलाव न करें और नियमों का पालन करें, ताकि शहर में ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण रखा जा सके।

आरटीओ ने तीन ओवरलोड वाहन पकड़े:सिंगरौली में बिना परमिट चल रहे थे, कई के चालान काटे

मीडिया ऑडीटर, संगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में परिवहन नियमों के उल्लंघन पर आरटीओ चेक पॉइंट टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। निवास चौकी क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाकर बिना परमिट और ओवरलोड चल रहे तीन मालवाहक वाहनों को जब्त किया गया। यह कार्रवाई स्थानीय नागरिकों की शिकायत के बाद की गई। जब्त किए गए वाहनों में आरजे 20 जीबी 9885, आरजे 14 जीएल 0563 और सीजी 04 एनसी 2255 नंबर के वाहन शामिल हैं। इस अभियान के दौरान कई अन्य वाहनों के खिलाफ भी चालानी कार्रवाई की गई। जांच में कोयला, रेत, गिट्टी और फ्लाई ऐश का बिना तिरपाल और ओवरलोड परिवहन करने वालों पर विशेष सख्ती बरती गई। अभियान के तहत वाहनों के प्रदूषण प्रमाण पत्र (क्क्ष्ट), बीमा, फिटनेस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की गई। बिना परमिट, बिना फिटनेस, बिना बीमा और बिना टैक्स के परिवहन करने वाले वाहन संचालकों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई शुक्ला मोड़ से झूराई नाला, परसोणा से बंधौर और महुआगांव से निगरी तक के संवेदनशील मार्गों पर केंद्रित थी। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वाहनों में रेडियम रिफ्लेक्टर भी लगाए गए, जिससे रात में दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके। अधिकारियों ने बताया कि परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस अभियान से स्थानीय नागरिकों में संतोष का भाव है और इसे सड़क सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जिला पंचायत के सीईओ डॉ. गौड़ा ने एचपीवी टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण किया

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान तहत इन दिनों 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को एचपीवी के टीके लगाये जा रहे है। बुधवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गोड़ा ने संजीवनी क्लिनिक रामेश्वर पहुंचकर एचपीवी टीकाकरण कार्य का निरीक्षण किया और टीका लगवा रही किशोरियों से चर्चा कर टीकाकरण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने टीकाकाण केन्द्र पर एक किशोरी बालिका को एचपीवी का टीका भी लगाया। डॉ गौड़ा ने इस अवसर पर सभी पालको से अपील की कि अपनी 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर की बीमारी से बचाने के लिए एचपीवी का टीका जरुर लगवायें। इस दौरान डॉ. गौड़ा ने संजीवनी क्लिनिक में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में चिकित्सको व स्टॉफ से जानकारी ली। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ. पी. जुगतावत, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रश्मि कौशल, एचपीवी नोडल अधिकारी डॉ योगेश शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

होमगार्ड सैनिकों के लिए स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। महानिदेशक, होमगार्ड्स, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन मध्यप्रदेश द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार होमगार्ड तथा एसडीईआरएफ सैनिकों के लिये स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर बुधवार को जिला चिकित्सालय खण्डवा के तत्वावधान में जेल रोड़ खण्डवा स्थित जिला होमगार्ड कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। शिविर में जिला चिकित्सालय, खण्डवा के अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश गुप्ता, जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. स्नेह जनवादे, चर्मरोग विशेषज्ञ डॉ. दीपाली बेले, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रांगनी तथा नाक, कान, गला रोग विशेषण डॉ. अडल उपस्थित थे। शिविर में उपस्थित डॉक्टर्स की टीम द्वारा कुल 67 होमगार्ड व एसडीईआरएफ सैनिकों की मौके पर ब्लडप्रेशर व शुगर की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया। शिविर में होमगार्ड व एसडीईआरएफ जवानों के 22 परिजनों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में सभी मरीजों को निःशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री आशीष कुमार कुशवाहा, प्लाटून कमाण्डर श्री रविन्द्र महिवाल, एएसआई श्री मनीष यादव व श्री अंकेश सोमानी भी उपस्थित थे।

9 से 23 अप्रैल तक मनाया जाएगा 8वां पोषण पखवाड़ा

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। प्रदेश में 8वां 'पोषण पखवाड़ा' 9 से 23 अप्रैल तक मनाया जाएगा। इस वर्ष पोषण पखवाड़े का मुख्य थीम 'जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास' निर्धारित किया गया है। पखवाड़े का औपचारिक शुभारंभ 9 अप्रैल को आंगनवाड़ी केन्द्रों और समुदाय स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा। इस दौरान 'पोषण पर चर्चा' कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा। पोषण पखवाड़े में मुख्य रूप से मातृ एवं शिशु पोषण, जन्म से 3 वर्ष तक मस्तिष्क विकास के लिए प्रारंभिक प्रोत्साहन, 3 से 6 वर्ष तक खेल आधारित शिक्षा, बच्चों में स्क्रीन टाइम कम करने में परिवार और समुदाय की भूमिका तथा सशक्त आंगनवाड़ी निर्माण में सामुदायिक सहयोग जैसे विषयों पर गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

रेलवे ने चलाई दो स्पेशल वीकली ट्रेन:पोरबंदर-आसनसोल व पुणे-हजरत निजामुद्दीन के बीच चलेगी; रतलाम, उज्जैन में रहेगा स्टॉपेज

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। वेस्टर्न रेलवे द्वारा द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से ग्रीष्मकाल के दौरान स्पेशल विकली ट्रेनें चलाने जा रहा है। स्पेशल ट्रेन पोरबंदर-आसनसोल एवं पुणे-हजरत निजामुद्दीन के बीच साप्ताहिक चलेगी। यह ट्रेने रतलाम रेल मंडल के रतलाम, उज्जैन एवं नागदा पर स्टॉपेज दिया है।

पोरबंदर-आसनसोल वीकली स्पेशल: ट्रेन संख्या 09205 पोरबंदर आसनसोल साप्ताहिक स्पेशल 13 अप्रैल से 29 जून तक प्रति सोमवार को 8.50 बजे पोरबंदर से चलेगी। बुधवार को 6.45 बजे आसनसोल पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम (23.10/23.20, सोमवार), नागदा (00.05/00.07, मंगलवार) एवं उज्जैन (01.20/01.25) बजे आगमन/प्रस्थान होगा। इसी तरह ट्रेन संख्या 09206 आसनसोल पोरबंदर स्पेशल 15 अप्रैल से 1 जुलाई 2026 तक प्रति बुधवार को आसनसोल से 23.05 बजे चलेगी। शुक्रवार को 21.10 बजे पोरबंदर पहुंचेगी। इस ट्रेन का उज्जैन (03.00/03.05, शुक्रवार), नागदा (04.00/04.02) एवं रतलाम (06.25/06.35) बजे आगमन/प्रस्थान होगा।

इन स्टेशनों पर रहेगा स्टॉपेज: यह ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में भाणवड, लालपुर जाम, जामनगर, हापा, राजकोट, वांकानेर, सुरेन्द्रनगर, विरमगाम, अहमदाबाद, आणंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, गोविंदपुरी, प्रयागराज, मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गया, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, एनएससी बोस जे गोमो और धनबाद स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर तथा जनरल कोच होंगे।

पुणे हजरत निजामुद्दीन स्पेशल: ट्रेन संख्या 01491 पुणे हजरत निजामुद्दीन स्पेशल, पुणे से 17 अप्रैल से 10 जुलाई 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन पुणे से प्रति शुक्रवार को 17.30 बजे चलेगी। अगले दिन 18.30 बजे हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम आगमन शनिवार को प्रातः 06.50 बजे एवं प्रस्थान 7 बजे होगा। वापसी में ट्रेन संख्या 01492 हजरत निजामद्दीन पुणे स्पेशल, हजरत निजामुद्दीन से 18 अप्रैल से 11 जुलाई 2026 तक तक चलेगी। यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से प्रति शनिवार को रात्रि 21.25 बजे चलेगी तथा अगले दिन 23.55 बजे पुणे रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम आगमन रविवार को 10.10 बजे एवं प्रस्थान 10.13 बजे होगा।

यहां रहेगा स्टॉपेज

इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में लोनावला, कल्याण, भिवंडी, वसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, शामगढ़, भवानीमंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर एवं मथुरा रेलवे स्टेशनों पर स्टॉपेज दिया है। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर तथा जनरल कोच होंगे। बुकिंग 10 अप्रैल से शुरू होगी।

रतलाम में अवैध रूप से बिक रही थी ई-सिगरेट

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम शहर की एक पान की दुकान से पुलिस ने ई-सिगरेट जप्त की है। दुकान संचालक अवैध रूप से प्रतिबंधित ई-सिगरेट का संग्रहण कर बेच रहा था। पुलिस ने अलग-अलग कंपनियों एवं फ्लेवर के ई-सिगरेट के कुल 23 पैकेट बरामद किए। जिनकी कीमत लगभग 27,600 है। जिले में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रतलाम पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी मे मुखबिर की सूचना पर माणकचौक थाना अतर्गत नाहरपुरा स्थित श्रीराम पान भंडार पर बुधवार शाम को दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस को दुकान संचालक द्वारा अवैध रूप से प्रतिबंधित ई-सिगरेट का संग्रहण कर रखे पैकेट मिले। आरोपी से ई-सिगरेट रखने एवं बेचने के संबंध में वैध लाइसेंस के बारे में पूछताछ की। दुकान संचालक वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। माणकचौक थाने के सब इंस्पेक्टर राकेश मेहरा ने बताया दुकान संचालक जय कुमार कवलानी (31) पिता गोविंद कवलानी निवासी नाहरपुरा, रतलाम के खिलाफ धारा 4/7, 5/8 इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत केस दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

सागर में बुजुर्ग का ऑटो में छूटा बैग,रतौना में मिला:इलाहाबाद से बस में सफर कर सागर आए, जमीन और बैंक के ओरिजनल दस्तावेज भी थे

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के तीनबत्ती तिराहे पर ऑटो रिक्शा में बुजुर्ग का बैग छूट गया। बैग में उनकी जमीन और बैंक के ओरिजनल दस्तावेज रखे थे।

ऑटो से उतरकर उन्होंने देखा तो बैग गायब था। बैग की तलाश की। लेकिन मिला नहीं। जिसके बाद वे कंट्रोल रूम पहुंचे और मामले की शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर ऑटो को चिंहित किया और बैग खोज निकाला। बैग तलाशकर बुजुर्ग को लौटा दिया गया है। पुलिस के अनुसार, 75 वर्षीय बुजुर्ग ने मंगलवार को कंट्रोल रूम पहुंचकर शिकायत की। शिकायत में बताया कि वे सुबह करीब 6 बजे इलाहाबाद से बस

में सवार होकर सागर पहुंचे थे। बस स्टैंड से घर जाने के लिए ऑटो में बैठकर आ रहे थे। इसी दौरान तीनबत्ती तिराहे के पास ऑटो बदलते समय उनका बैग पहले ऑटो में ही छूट गया। जिसमें उनके खेती संबंधी और बैंक के मूल (ओरिजनल) दस्तावेज रखे हुए हैं। दस्तावेज बहुत जरूरी है। यह कहकर बुजुर्ग फफक उड़े। पुलिस ने उन्हें ढांढस बंधवाया और बैग तलाशने का आश्वासन दिया। जिसके बाद कंट्रोल रूम की टीम बैग की तलाश में लगाई गई। शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। सीसीटीवी की मदद से ऑटो को चिंहित किया गया।

रतौना में ऑटो चालक से बरामद किया बैग: ऑटो की पहचान होने पर चालक की नंबर तलाशा और संपर्क किया। चालक ने बताया कि वह रतौना में है। बैग उसके पास है। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम रतौना पहुंची और बैग बरामद किया। बैग कंट्रोल रूम लेकर पहुंचे। जहां खोलकर देखा तो सभी दस्तावेज सुरक्षित थे। पुलिस ने बैग खोजकर बुधवार को बुजुर्ग को लौटा गया है। कंट्रोल रूम में पदस्थ एसआई आरकेएस चौहान ने बताया कि बुजुर्ग ने बैग ऑटो में छूटने की शिकायत की थी। उसने मूल दस्तावेज होने से वह बहुत भावुक थे।

छतरपुर में चलती डस्टर कार में लगी आग:ब्रजपुरा फोरलेन पर चालक ने कूदकर बचाई जान, गाड़ी जलकर खाक

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुरः जिले के ब्रजपुरा फोरलेन मार्ग पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब चलती डस्टर कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरी कार धू-धू कर जलने लगी। घटना के दौरान सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और राहगीरों ने अपने वाहन रोककर मदद का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, डस्टर कार ब्रजपुरा फोरलेन से छतरपुर की ओर आ रही थी। इसी दौरान अचानक इंजन से धुआं उठने लगा। चालक ने खतरे को भांपते हुए तुरंत गाड़ी को सड़क किनारे रोका और बाहर निकल

गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास खड़े लोग भी करीब जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके। कुछ लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। हादसे में कार के अंदर रखा सारा सामान भी जलकर नष्ट हो गया।

कबाड़ बीनने वाले ने की 5 लाख की चोरी:नर्मदापुरम में रैकी कर सूने मकान में घुसा; खंडवा से गिरफ्तार हुआ 19 वर्षीय शादाब

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के जुमेराती क्षेत्र में 3 अप्रैल को सूने मकान का ताला तोड़कर 5 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी करने वाले 19 वर्षीय आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कबाड़ बीनने का काम करने वाले इस आरोपी ने पहले घर की रैकी की और फिर वारदात को अंजाम दिया। वर्तमान में कोतवाली पुलिस ने आरोपी को उसके गांव सिहाड़ा (खंडवा) से गिरफ्तार कर चोरी किया गया 5 लाख रुपए का पूरा माल बरामद कर लिया है।

3 अप्रैल को गांव गया था फरियादी का परिवार: कोतवाली थाना टीआई कंचन सिंह ठाकुर ने बताया कि 3 अप्रैल को फरियादी रामगोपाल पाण्डे अपने परिवार के साथ गांव गए थे। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर में घुसकर गोदरेज का ताला तोड़ा और सोने-चांदी के आभूषण व 2,500 रुपए नकद चोरी कर लिए।

मंदसौर में पारिवारिक विवाद मंदसौर

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। शहर के शंकर विहार क्षेत्र से बुधवार की रात करीब 11 बजे एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां पारिवारिक विवाद के बाद 45 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मुन्ना सिंह पिता दिनेश्वर सिंह के रूप में हुई है, जो मूलतः बिहार के निवासी थे और वर्तमान में मंदसौर में रह रहे थे। नशे में घर पहुंचकर किया विवाद प्राप्त जानकारी के अनुसार मुन्ना सिंह बुधवार रात शराब के नशे में घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने बेटे मिथिलेश और पत्नी रानी के साथ मारपीट की। विवाद बढ़ने पर उन्होंने दोनों को एक कमरे में बंद कर दिया।

सीहोर पुलिस ने जब्त किया 7 टन चोरी का सरिया,एक आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सीहोर। सीहोर पुलिस ने लोहा सरिया चोरी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 7 टन से अधिक चोरी का सरिया बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन और सीएसपी अभिनंदना शर्मा के मार्गदर्शन में, थाना कोतवाली पुलिस ने यह कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में लिया गया, जिसके पास से भारी मात्रा में चोरी किया गया लोहा बरामद हुआ। मामले का खुलासा तब हुआ जब फरियादी चौपाल नायडू, निवासी तमिलनाडु, ने थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनके झगरिया रोड स्थित मिक्सर प्लांट पर खड़े लोहे के सरिये से भरे ट्रोले को ड्राइवर दाउद खान उर्फ आबिद खान रात में ले गया था। सुबह जब ट्रोला वापस आया और सरिये का वजन किया गया, तो उसमें कमी पाई गई। जब्त सामान की कीमत 3,92,000 रुपए है।आवेदक की शिकायत पर धारा 316 (5) बीएनएस (क्ट्टह्र) के तहत जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम को मुखबिर से सटीक सूचना मिली। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित दबिश दी और संदेही को लसूडिया के पास पल्स कॉलोनी के पुराने खंडहर से माल सहित हिरासत में ले लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान दाउद खान उर्फ आबिद खान (पिता बदलू खान, निवासी ग्राम पाइप, भरतपुर, थाना जुरैरा, राजस्थान) के रूप में हुई है।

शराब पार्टी में 37 वर्षीय युवक का सिर कुचला: खंडवा के सुक्ता डैम के पास मिली लाश; शिनाख्त के बाद संदेही दोस्त हिरासत में

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। खंडवा जिले के बोरगांव चौकी क्षेत्र अंतर्गत सुक्ता डैम के पास बुधवार सुबह एक 37 वर्षीय युवक का सिर कुचला हुआ खून से लथपथ शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान ग्राम आरूद निवासी विशाल (पिता दशरथ डोंगरे) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में शराब पार्टी के दौरान आपसी कहासुनी में हत्या होने की आशंका सामने आई है। वर्तमान में पुलिस ने इस मामले में मृतक के एक संदेही दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और गुरुवार सुबह 11 बजे ग्राम आरूद पहुंचकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

शौच गए युवक ने देखी खून से लथपथ लाश: जानकारी के अनुसार, मामला बोरगांव चौकी क्षेत्र में सुक्ता डैम का है। बुधवार सुबह करीब 8 बजे हेमगीर गांव का रहने वाला अक्षय जाधव नाम का युवक जब शौच के लिए गया, तो उसे खून से लथपथ एक लाश पड़ी दिखाई दी। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद किया और हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की। शुरुआत में डेडबॉडी की पहचान नहीं हो पा रही थी, लेकिन पुलिस ने अगले दिन सुबह तक शव की शिनाख्त ग्राम आरूद निवासी 37 वर्षीय विशाल के रूप में कर ली और हत्या के मामले को सुलझाने तक पहुंच गई।

चौकी प्रभारी बोले- 2 दिन पहले दोस्त के साथ दिखा था मृतक: पुलिस को जांच के दौरान सुराग मिला कि मृतक अपने एक दोस्त के साथ 2 दिन पहले दिखाई दिया था और उसी दिन उसकी हत्या हुई थी। इस आधार पर पुलिस ने संदेही दोस्त को हिरासत में लिया है। बोरगांव चौकी प्रभारी अविनाश भोपले ने बताया कि, 'हत्या की जांच में जुटी पुलिस को क्लू मिला कि मृतक उसके एक दोस्त के साथ दो दिन पहले दिखाई दिया था। उसी दिन उसकी हत्या हुई थी, पुलिस ने आज गुरूवार सुबह 11 बजे ग्राम आरूद पहुंचकर मृतक के शव को उसके परिजनों के सुपुर्द किया, वहीं संदेही दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही हैं। मामला शराब पार्टी के दौरान आपसी कहासुनी के बीच हत्या का प्रतीत होता हैं। ठोस वजह का पूछताछ के बाद ही खुलासा हो पाएगा।

पटेहरा पुल पर पाइपलाइन को लेकर विवादः एनसीसी कंपनी पर मनमानी के आरोप, एनएच ने दिए हटाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जल जीवन मिशन के तहत कार्य कर रही जल निगम की ठेकेदार एनसीसी कंपनी की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जवा तहसील के पटेहरा क्षेत्र में टमस नदी पर बने पुल के ऊपर पाइपलाइन बिछाने को लेकर गंभीर विवाद सामने आया है। राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग रीवा ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए पाइपलाइन तत्काल हटाने के निर्देश जारी किए हैं। जानकारी के अनुसार, एनसीसी कंपनी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है लेकिन इस कार्य में लगातार अनियमितताओं की शिकायतें मिल रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी द्वारा कई स्थानों पर सड़कों को खोदकर अधूरा छोड़ दिया गया, इंटेकवेल निर्माण में गुणवत्ता का अभाव रहा और कई जगह पाइपलाइन में दरारें भी देखी गई हैं। पटेहरा पुल के मामले में जोन्हा सरपंच एवं कांग्रेस नेता धनेंद्र द्विवेदी ने राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग रीवा में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आशंका जताई थी कि पुल के ऊपर से पाइपलाइन ले जाने से संरचना पर अतिरिक्त भार पड़ेगा, जिससे पुल के क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ सकता है। इस पर विभाग ने पूर्व में ही कार्य पर रोक लगाते हुए स्पष्ट चेतावनी दी थी कि नियमों का उल्लंघन होने पर निर्माण को हटाया जाएगा। मामले को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका भी दायर की गई है, जो अभी विचाराधीन है। इसके बावजूद एनसीसी कंपनी द्वारा विभागीय आदेशों को नजरअंदाज करते हुए पुल के ऊपर पाइपलाइन बिछा दी गई। इस पर शिकायतकर्ता ने कंपनी पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया है और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के साथ न्यायालय की अवमानना पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग रीवा ने 8 अप्रैल 2026 को मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित परियोजना क्रियान्वयन इकाई के महाप्रबंधक को पत्र जारी किया। पत्र में उल्लेख किया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 135बी (रीवा-सिरमौर-डभौरा मार्ग) स्थित टमस नदी के पुल पर बिना अनुमति पाइपलाइन बिछाना नियमों का उल्लंघन है और इससे पुल की संरचना को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। साथ ही ग्राम अतरैला में पाइपलाइन डालने के लिए खोदी गई सड़क की मरम्मत सही ढंग से नहीं किए जाने से मार्ग दलदल में तब्दील हो गया है। इससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और भारी वाहन फंसने से आवागमन बाधित हो रहा है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पुल के ऊपर बिछाई गई पाइपलाइन को तत्काल हटाया जाए और अतरैला में क्षतिग्रस्त मार्ग को शीघ्र पूर्व स्थिति में लाया जाए। अन्यथा राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम का सफल आयोजन,मेधावी छात्रा का हुआ सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर जिला रीवा के निर्देशानुसार 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम का आयोजन शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पटेहरा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अमित पांडे, मनरेगा प्रभारी नागेंद्र सिंह एवं ग्राम पंचायत खमरिया-34 के सचिव विवेकानंद पांडे ने छात्र-छात्राओं को अपने अनुभव साझा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व वेटरनरी सर्जन डॉ. आर. पी. गौतम उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, परिश्रम एवं अनुशासन का महत्व बताते हुए भविष्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य देवकरण मिश्रा ने छात्रा अक्षरा मिश्रा की विशेष उपलब्धि का उल्लेख किया। जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कक्षा 11वीं में 94% अंक अर्जित किए हैं तथा भविष्य में आईआईटी परीक्षा की तैयारी का संकल्प लिया है। उनकी इस उपलब्धि से प्रभावित होकर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अमित पांडे, मनरेगा प्रभारी, नागेंद्र सिंह एवं सचिव विवेकानंद पांडे द्वारा छात्रा को प्रोत्साहन स्वरूप 5001 रुपये की राशि प्रदान की गई, ताकि वह अपनी आवश्यक अध्ययन सामग्री क्रय कर सके साथ ही कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाली अन्य छात्राओं को भी प्रोत्साहन स्वरूप 501 रुपये प्रदान किए गए कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर नियमित विद्यालय आने एवं शिक्षा के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक अजय मिश्रा द्वारा किया गया।

गौ सम्मान-आह्वान अभियानः 27 अप्रैल से देशव्यापी अभियान का आगाज

भारत में गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए 27 अप्रैल से देशव्यापी अभियान की शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में गौसेवा के प्रति समर्पित बृजेन्द्र पांडे ने 27 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले 'गौ सम्मान-आह्वान अभियान' की घोषणा की है, जिसमें पूरे देश में 5000 तहसीलों में गौसेवकों की आवाज उठेगी। यह अभियान गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है और इसमें हिंदू समाज से अपील की गई है कि वे इस महान कार्य में सक्रिय रूप से भाग लें पांडे ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गौहत्या पर प्रतिबंध, गोमाता को सम्मान प्रदान करना और गो सेवा के लिए एक केंद्रीय मंत्रालय की स्थापना है। साथ ही उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की है कि वे भारतीय संस्कृति के हित में इस मुद्दे पर संवैधानिक दायरे में अहिंसक तरीके से कदम उठाएं। इस अभियान में गोमाता के दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर के महत्व को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि गो सेवा को बढ़ावा मिल सके। गोमूत्र और गोबर के कृषि उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कृषि विश्वविद्यालयों में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की जाएगी और आयुर्वेदिक औषधियों के रूप में पंचगव्य का वितरण निःशुल्क किया जाएगा।

अभियान की प्रमुख बातें:

1. 5000 तहसीलों में गौसेवकों की हुंकार।
2. गोहत्या पर प्रतिबंध और गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा।
3. गो सेवा के लिए केंद्रीय कानून और मंत्रालय की स्थापना।
4. मंदिरों में देशी गाय के दूध, दही, घी का अनिवार्य उपयोग।
5. हर ग्राम पंचायत में नंदीशाला और गौशालाओं को मनरेगा से जोड़ना।

27 अप्रैल को गो सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाएगा और इस दिन सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे प्रधानमंत्री को ट्वीट करके इस अभियान का समर्थन करें।

जिला पंचायत सीईओ ने किया थनवरिया पंचायत का आकस्मिक निरीक्षण, जल संरक्षण और विकास कार्यों के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने जनपद पंचायत सिरमौर के अंतर्गत जल स्वावलंबी ग्राम पंचायत थनवरिया का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिरमौर, सहायक यंत्री, मनरेगा एवं पी.एच.ई. के उपयंत्री, एन.जी.ओ. सदस्य सहित ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत भवन में स्थानीय नागरिकों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जिसमें उन्होंने पंचायत की जनसंख्या, कुल परिवारों की संख्या वर्तमान वाटर लेवल और उपलब्ध जल स्रोतों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में ग्राम पंचायत को जल स्वावलंबन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। गुर्जर ने सभी शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने, नालों में जल संचय के लिए स्टॉप डैम का निर्माण करने और छोटे तालाबों के निर्माण के संबंध में जनपद सीईओ एवं तकनीकी अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए उन्होंने ग्रामीणों को जल संरक्षण का महत्व समझाते हुए 'गांव का पानी गांव में' रोकने की अपील की। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने शासकीय तालाब का जायजा लिया और उपयंत्री व सहायक यंत्री को इसके तकनीकी रूप से जीर्णोद्धार हेतु निर्देशित किया। इसके साथ ही आगामी वर्षाकालीन वृक्षारोपण की पूर्व तैयारी अभी से शुरू करने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में गति लाते हुए सभी लंबित आवासों को समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश सचिव रोजगार सहायक और जनपद सीईओ को दिए गए। नालों के निरीक्षण के दौरान भी स्टॉप डैम निर्माण हेतु स्थल चयन एवं तकनीकी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिला पंचायत सीईओ ने जनपद पंचायत रीवा की जल स्वावलंबी ग्राम पंचायत सहिजना नंबर दो के ग्राम गड्डी का भ्रमण किया।

शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय रीवा में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय रीवा द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं और 11वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा जारी सूचना के अनुसार इन कक्षाओं में अनुसूचित जाति और अन्य बीपीएल कार्डधारी, सामान्य, पिछड़ा एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के बालक-बालिकाओं के लिए रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इस प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवेदन पत्र विद्यालय से ही प्राप्त किए जा सकेंगे। प्रवेश परीक्षा पूर्णतः निःशुल्क रखी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन पत्र प्राप्त करने और उन्हें जमा करने का कार्य 20 जून तक कर सकते हैं। कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन 23 जून को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक किया जाएगा, जिसमें प्राप्त अंकों की मेरिट लिस्ट के आधार पर चयन होगा।

जिए सिंधी भाषा-तुहंजी मुहंजी भाषा-गुलाब साहनी,सिंधी भाषा दिवस पर विशेष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत के सिंधी समुदाय के लिए 10 अप्रैल 1967 का दिन एक ऐतिहासिक दिन था क्योंकि इस दिन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉक्टर राधाकृष्णनने सिंधी भाषा को भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने वाले बल पर हस्ताक्षर किए थे इसलिए इस दिवस को सिंधी भाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है अगस्त 1947 में भारत विभाजन के वक्त पंजाबियों को वादा पंजाब मिला बंगालियों को आधा बंगाल मिला लेकिन सिंधियों को आधा सिम तो क्या उसका एक टुकड़ा तक नहीं मिला और पूरा सैंड हा प्रदेश सरहद के उत्पाद चला गयाअपनी मात्र भूमियों को आजाद भारत में कोई ऐसी जगह नहीं मिली जिसे हिंदी राज्य कह सके 26 जनवरी 1950 को हिंदुस्तान का संविधान लागू हुआ आठवीं अनुसूची में 14 भाषाओं को शामिल किया गया लेकिन सिंधी भाषा कोर्स में शामिल नहीं किया गया आजादी के 20 साल बाद 21 में संविधान संशोधन अधिनियम के तहत हिंदी को संविधान की आठवीं अनुसूची मैं 15वीं भाषा के रूप में जोड़ा गया 7 अप्रैल 1967 को लोकसभा मे सिंधी भाषा बिल पास होने के बाद 8 अप्रैल को शनिवार और 9 अप्रैल को रविवार होने के कारण सभी सरकारी दफ्तर बंद थे 10 अप्रैल 1967 को चेट्री चंद्र पर्व का दिन था ऐसे मौके पर जयरामदास दौलतानी जी के प्रयासों से तत्कालीन राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधा कृष्णन जी ने बिल पर हस्ताक्षर किए जिससे सिंधी भाषा आधिकारिक भाषा बन गई रीवा सिंधी सेंट्रल पंचायत के प्रवक्ता गुलाब साहनी ने जानकारी देते हुए बताया कि चेटीचंड महोत्सव के दिन सिंधी समाज को यह तोहफा मिल गया है ।

टीईटी परीक्षा आदेश के विरोध में शिक्षकों का प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट पहुंचे 200 से अधिक अध्यापक, नियुक्ति तिथि से पेंशन-ग्रेच्युटी की मांग की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गुरुवार को 200 से अधिक शिक्षकों ने अध्यापक संवर्ग के बैनर तले कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर टीईटी परीक्षा को लेकर जारी आदेश के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए टीईटी आदेश को तत्काल निरस्त करने, सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करने और पहली नियुक्ति तिथि से पेंशन ग्रेच्युटी व अवकाश नगदीकरण का लाभ देने की मांग की है वर्तमान में प्रशासन ने ज्ञापन लेकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है वहीं शिक्षकों ने मांगें पूरी न होने पर प्रदेश स्तर पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करने की मांग प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने बताया कि टीईटी परीक्षा से जुड़ा हालिया आदेश उनके हितों के विपरीत है जिससे बड़ी संख्या में शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं इस आदेश को वापस लेना सरकार की जिम्मेदारी है शिक्षकों ने मांग उठाई कि इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की जाए, ताकि अध्यापक संवर्ग के हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने पेंशन ग्रेच्युटी और अवकाश नगदीकरण जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए इन सभी लाभों में सेवा की गणना पहली नियुक्ति तिथि से किए जाने की मांग की हैसंघ पदाधिकारी बोले- सरकार ने समाधान नहीं निकाला तो करेंगे बड़ा आंदोलन इस पूरे मामले में संयुक्त मोर्चा शिक्षक संघ के पदाधिकारी शिवानंद तिवारी ने कहा कि 'टीईटी से जुड़ा आदेश पूरी तरह से शिक्षकों के हितों के खिलाफ है। सरकार को जमीनी हकीकत समझते हुए इसे तत्काल वापस लेना चाहिए लंबे समय से अध्यापक संवर्ग अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहा है।

संकल्प से समाधान अभियान का जिला स्तरीय शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिला स्तरीय शिविर 10 अप्रैल को सुबह 11 बजे से नगर निगम रीवा के टाउनहाल में आयोजित किया गया है। शिविर का आयोजन शासन के सभी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ ग्राम पंचायतों नगरीय निकायों तहसील और जिला स्तर पर पात्र हितग्राहियों को समय सीमा में देने के लिए किया जा रहा है कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सभी विभाग प्रमुखों को शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

गूंजी किसानों के हक की आवाज : कांग्रेस का विशाल धरना-प्रदर्शन, सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों के हक और अधिकारों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी रीवा (शहर एवं ग्रामीण) के संयुक्त तत्वावधान में सिरमौर चौराहा स्थित स्व. राजीव गांधी की प्रतिमा के समक्ष विशाल जिला स्तरीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और आम जनता की भागीदारी देखने को मिली। धरना-प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य भाजपा सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों का विरोध करना तथा किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग करना रहा। प्रदर्शनकारियों ने किसानों की आय, फसल के उचित मूल्य, कर्ज माफी और सिंचाई सुविधाओं को लेकर सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की।

इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, शहर अध्यक्ष अशोक पटेल 'झब्बू', विधायक अभय मिश्रा एवं रीवा महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल, आईटी सेल और किसान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से किसानों के हितों की लड़ाई लड़ती आई है और आगे भी मजबूती के साथ किसानों के अधिकारों की रक्षा करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और उनकी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि किसानों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता और उनके हक के लिए संघर्ष लगातार जारी रहेगा। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा धरना-प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, लेकिन इसने प्रशासन और सरकार के समक्ष किसानों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का काम किया।

कलेक्टर ने बेटियों से संवाद कर उनके सपनों को किया प्रोत्साहित एचपीवी वैक्सीनेशन से न डरें, अफवाहों पर न दें ध्यान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सीएम राइज पीके स्कूल का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने छात्राओं के साथ आत्मीय संवाद कर उनके शैक्षणिक भविष्य और व्यक्तिगत रुचियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने छात्राओं से उनके पठन-पाठन और खेलकूद की गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी ली। जब कलेक्टर ने छात्राओं से उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में पूछा, तो क्लासरूम उत्साह से भर उठा। छात्राओं ने पूरी निडरता के साथ अपनी महत्वाकांक्षाएं साझा करते हुए बताया कि वे पढ़-लिखकर डॉक्टर, शिक्षक और पुलिस अधिकारी बनकर समाज की सेवा करना चाहती हैं। कलेक्टर ने छात्राओं के इन सपनों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। संवाद के दौरान कलेक्टर ने एचपीवी वैक्सीनेशन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने बताया कि 14 से 15 वर्ष की आयु की छात्राओं के लिए यह टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह भविष्य में होने वाले घातक सर्वाइकल कैंसर को रोकने में एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। कलेक्टर ने छात्राओं से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं टीका लगवाएं, बल्कि समाज में अन्य किशोरियों को भी इसके प्रति जागरूक करें। इस वैक्सीनेशन को लेकर किसी भी प्रकार के डर या अफवाहों में आने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह वैज्ञानिक और सुरक्षित प्रक्रिया है। कलेक्टर ने स्कूल प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालय की 14 और 15 वर्ष की समस्त छात्राओं का अतिशीघ्र टीकाकरण कराएं। एचपीवी वैक्सीनेशन के संबंध में प्रभावी जागरूकता अभियान चलाएं जिससे कोई भी छात्रा इस सुरक्षा चक्र से वंचित न रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।